हिंदी कलिका

हिंदी भाषा की पाठ्य पुस्तक

छठी कक्षा के लिए

विद्यालय और गणशिक्षा विभाग, ओड़िशा सरकार

शिक्षक शिक्षा निदेशालय और राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, ओड़िशा, भुवनेश्वर

ओड़िशा विद्यालय शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण, भुवनेश्वर

https://withteachers.in/

हिंदी कलिका

छठी कक्षा के लिए पाठ्य पुस्तक

परीक्षामूलक संस्करण-2026

संपादक मंड़ल
डॉ. अजित प्रसाद महापात्र
प्रो. डॉ. सत्यनारायण पंडा
श्री डंबरूधर पाणिग्राही
श्री महेंद्र कुमार घड़ेइ

समीक्षक
प्रो. डॉ. सत्यनारायण पंडा
डॉ. अजित प्रसाद महापात्र
श्री विनय कुमार पाठक
श्रीमती मिनतीराणी नायक

विषय विशेषज्ञ
प्रो. डॉ. सत्यनारायण पंडा

संयोजिका
श्रीमती वंदिता पट्टनायक

मुख्य संयोजिका
डॉ. सविता साहु

प्रकाशक : विद्यालय और गणशिक्षा विभाग, ओड़िशा सरकार

मुद्रण वर्ष : 2026

प्रस्तुति : शिक्षक शिक्षा निदेशालय और राज्य शैक्षिक अनुसंधान और
प्रशिक्षण परिषद, ओड़िशा, भुवनेश्वर
और
ओड़िशा राज्य पाठ्य पुस्तक प्रणयन और प्रकाशन संस्था, भुवनेश्वर

मुद्रण : पाठ्यपुस्तक उत्पादन और विक्रय, भुवनेश्वर

https://withteachers.in/

प्रस्तावना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के तहत विशिष्ट राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा की संस्तुति की गई है। इससे आधारभूत स्तर पर उत्तमगुणवत्तावाली शिक्षा प्रदान करने में शिक्षकों को सहायता मिलेगी । साथ ही विद्यालयी शिक्षा के परवर्त्ती सोपानों में इसकी गतिशीलता सुनिश्चित करने तथा संपूर्ण शिक्षा - व्यवस्था का मार्ग प्रशस्त करने में यह शिक्षा नीति सहायक-सिद्ध होगी । राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 ने 5 + 3 + 3 + 4 पाठ्य चर्या एवं शिक्षाशास्त्रीय संरचना की परिकल्पना की है।

आधारभूत स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा तैत्तिरीय उपनिषद् - वर्णित 'पंचकोश विकास' की आधारभूत अवधारण से सबंधित है। एन्.सी.एफ-एफ.एस. सीखने के पाँच आयामों, जैसे - शारीरिक और गत्यात्मक, समाज-संवेगात्मक, भाषा और साक्षरता, संस्कृति तथा सौदंर्य-बोध को पंचकोश की भारतीय परंपरा के साथ जोड़ती है। ये पंचकोश हैं : अन्नमय कोश, प्राणमय कोश, मनोमय कोश, विज्ञानमय कोश और आनंदमय कोश । इसके अतिरिक्त, यह घर पर बच्चों के अर्जित अनुभवजनित ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण को एकीकृत करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है ; जिन्हें विद्यालय-परिसर में विकसित किया जाएगा ।

आधारभूत स्तर की पाठ्यचर्या ओड़िशा प्रदेश की छठी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए तैयार की जा रही है। इससे सीखने के खेल आधारित उपागम को प्रोत्साहन मिलगा । दरअसल, पाठ्य पुस्तक सीखने की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण अंग है। तत्सहित इसमें अनेक शिक्षाशास्त्रीय उपकरण, पद्धतियाँ, खिलौने एवं बातचीत आदि भी समाहित हैं । अधिगम प्रणाली तभी उपयोगी सिद्ध होती है जब

https://withteachers.in/

विद्यार्थी स्वयं कार्य करते हुए आसानी से सीख पाते हैं । इसी दृष्टि से यह पाठ्य पुस्तक ओड़िशा की छठी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए अधिक सहायक शैक्षिक उपकरण है।

प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक दक्षता आधारित सामग्री को सरल, रोचक और आकर्षक बनाने का एक सफल प्रयास है । इस पाठ्य-पुस्तक को समावेशी और प्रयोगशील बनाने के उद्देश्य से पाठों और चित्रों से चित्रित अनके रूढ़ियों का भी खंड़न किया गया है । संस्कृति, परंपरा, भाषा - प्रयोग तथा भारतीयता समेत स्थानीय संदर्भों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु इस पुस्तक की महत्त्वपूर्ण भूमिका है । इसमें दिए गए पाठ्य - विषय विद्यार्थियों के लिए प्रभावपूर्ण और आंनददायी हैं । इस पुस्तक में कला और शिल्प का बेजोड़ समन्वय है ।

इसी वजह से विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में अंतर्निहित सौदंर्य-बोध की सराहना करेंगे। इस पुस्तक की विषय वस्तु बोझ रहित; पर सारगर्भित हैं। इस पाठ्य - पुस्तक में ऐसी पर्याप्त विषय - सामग्रियाँ और गतिविधियाँ हैं, जो विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति आवश्यक संवेदनशीलता विकसित करने में सहायक होंगी । साथ ही, ये अपने राज्य को राष्ट्रीय शिक्षा-नीति - 2020 की संस्तुतियों के अनुरूप विकसित तथा स्थानीय परिदृश्य के विविध तत्वों से समायोजन करने में भी सफल होंगी ।

शिक्षक शिक्षा निदेशालय एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ओड़िशा इस पाठ्यक्रम और शिक्षण - अधिगम सामग्री को विकसित करने के लिए गठित समिति द्वारा किए गए अधिक श्रम की सराहना करती हैं। मैं, समिति के अध्यक्ष, संपादक मंड़ल को समयानुसार कार्य संपन्न करने के कारण साधुवाद देता हूँ ।

प्रस्तुत पुस्तक की सफल तैयारी तथा विकास में पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए मैं मान्यवर केन्द्रमंत्री श्रीयुक्त धर्मेंद्र प्रधान, मान्यवर शिक्षामंत्री श्रीयुत नित्यानंद गंड़, गणशिक्षा विभाग ओड़िशा

https://withteachers.in/

सरकार; सचिव व कमिशनर श्रीमती शालिनी पंडित, पाठ्यक्रम और पाठ्य पुस्तक की समीक्षा के लिए कोर समिति के सदस्यों तथा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन करता हूँ। अंत में विशेष रूप से रूपाकंन, संपादन और कंप्यूटर यूनिट, भुवनेश्वर को धन्यवाद देता हुँ।

विद्यालयी शिक्षा में अधिगम शिक्षण सामग्री की गुणवत्ता और सुधार को निरंतर समुन्नत करने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, शिक्षक शिक्षा निदेशालय एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, ओड़िशा प्रतिबद्ध है । अत: इस पाठ्य-पुस्तक को अधिकाधिक प्रभावी बनाने के लिए मैं निदेशालय की ओर से समस्त हितधारकों से महत्त्वपूर्ण टिप्पणी और सुझाव की उम्मीद रखता हूँ।

दिनांक : ....
भुवनेश्वर, ओड़िशा

मनोज कूमार पाढ़ी
निदेशक
शिक्षक शिक्षा निदेशालय एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और
प्रशिक्षण परिषद, ओड़िशा

https://withteachers.in/

पाठ्य - पुस्तक के बारे में ...

प्रिय शिक्षक साथियो !

यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के तहत एन.सी.एफ.एफ.एस द्वारा निर्धारित पाठ्य विषय - वस्तुओं पर पूर्ण ध्यान देते हुए अहिंदी प्रदेश ओड़िशा की छठी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए (हिन्दी कलिका) पाठ्य पुस्तक आपको समर्पित हैं ।

राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने तथा न्यायिक समाज को विकसित करने में यह पाठ्यपुस्तक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी । राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 बुनियादी स्तर (फाउंड़ेशनल स्टेज) पर विद्यार्थियों में भाषा का विकास, सतत सीखने की कला, समस्या-समाधान, तार्किक और रचनात्मक चिन्तन के विकास पर बल देती हैं । यह विद्यार्थियों की शिक्षा में भाषा और साक्षरता को बढ़ावा देने के साथ - साथ भारतीय परंपरा, सांस्कृतिक मूल्य-मान्यताएँ, राष्ट्रप्रेम, चरित्र-निर्माण, नैतिकता, करुणा, लैंगिक संवेदनशीलता और पर्यावरण की जागरूकता को भी समेकित रूप से सम्मिलित करने की अनुशंसा करती है।

इस स्तर की हिंदी भाषा की पाठ्यपुस्तक निर्माण करते समय निम्नलिखित बातों पर ध्यान दिया गया है:

- पढ़ने-लिखने की शुरुआत के लिए विद्यार्थियों के जीवन से संबधित बातों को आधार बनाया गया है।
- इस पुस्तक में बातचीत करने, सुनकर कुछ करने, कहानी और कविताओं का आनंद प्राप्त करने, खेलने, नए शब्दों की पहचान करने तथा कला और संगीत से जुड़ी गतिविधियों पर भिन्न-भिन्न संदर्भों में प्रकाश डाला गया है।

https://withteachers.in/

- संदर्भ विद्यार्थियों के जीवन से जुड़े हैं; जैसे–परिवार, रंग–रूप, फल–फूल एवं त्योहार–उत्सव आदि।
- प्रत्येक पाठ में लगभग सभी दक्षताओं पर बल दिया गया है।
- प्रत्येक पाठ को रोचक और प्रभावी बनाने का प्रयास किया गया है।

बुनियादी स्तर के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के तहत मौखिक भाषा के विकास, शब्द– पहचानने, पढ़ने – लिखने के प्रमुख कौशलों पर ध्यान दिया गया है।

- **मौखिक भाषा का विकास :** पुस्तक में अलग–अलग भाग हैं । जैसे–चित्र और बातचीत, कविता, कहानी, देखो और पहचानो, देखो–समझो–बोलो आदि विषयों को स्थानित किया गया है।
- **शब्द-पहचान और वाक्य संरचना का विकास :** आधारभूत स्तर के विद्यार्थियों को हिंदी भाषा की शिक्षा दी जाने के उद्देश्य से चित्रों के द्वारा अक्षर–ज्ञान, अक्षरों का अभ्यास, छूट गए वर्णों को जोड़कर शब्द – गठन और वाक्य –संरचना जैसे पाठ्य–विषयों को शामिल किया गया है।
- **वाचन कौशल का विकास :** सुनें कहानी, पढ़ें और लिखें, मिलकर कविता पढ़ें आदि का ध्यान रखते हुए विद्यार्थियों के मुख्य एवं गौण कौशलों को विकसित करने का प्रयास किया गया है।
- **लेखन कौशल का विकास :** लिखने का अभ्यास चित्रों से शुरुआत की गई है। फिर अक्षर सीखने की शैली, अक्षर जोड़कर शब्द – गठन, शब्द – खेल, रिक्त स्थानों की पूर्ति, वाक्य संरचना और अभ्यास कार्यों के आधार पर लेखन कौशल विकसित करने का प्रयत्न किया गया है।

https://withteachers.in/

- **बातचीत :** इस पुस्तक से लिए गए पाँच संदर्भों में बातचीत की ढ़ेर सारी संभावनाएँ स्थानित हैं । जैसे – परिवार, मेला, गिलहरी की कहानी, खेल–कूद और नृत्य ।
- **सुनें कहानी :** विद्यार्थियों को तरह – तरह की कहानियाँ सुनाने के लिए शिक्षकों को निर्देश दिया गया है। उन्हें कहानी कहने तथा लिखने की भी आजादी दी जा सकती है।
- **मिलकर पढ़ें :** पठन – सामग्री को ध्यान से पढ़कर विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करने में प्रवीण हो जाते हैं। अत: शब्द और वाक्य स्तर पर शिक्षण सामग्री विद्यार्थी को उपलब्ध कराई जाए ताकि वे आपस में मिलजुल कर पढ़ें और वाचन – कौशल को विकसित करें ।
- **शब्दों का खेल :** उलट – पुलट कर दिए गए अक्षरों से सार्थक शब्द बनाने, शब्दों को सही क्रम में लिखने और वाक्य गठन करने आदि गतिविधियों पर जोर दिया गया है।
- **रसमयी कविता :** कविता विद्यार्थियों को बेहद आनन्द प्रदान करती है। अत: हाव–भाव के साथ अभिनय करते हुए विद्यार्थी कविता सुललित कंठ से गाएँ ताकि कक्षा रसपूर्ण हो । इस प्रकार की कई कविताएँ इसमें शामिल हैं ।
- **चित्रकारी और लेखन :** अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने का माध्यम चित्र ही है। विद्यार्थियों को चित्र बनाने तथा लिखकर अभिव्यक्त करने का अवसर मिलना चाहिए । पुस्तक में इस पर भी ध्यान दिया गया है।
- **खोजें और जानें :** विद्यार्थियों को शिक्षण के विविध संदर्भों से जोड़ने के लिए 'ढूँढो और बोलो, ढूँढो और लिखो' जैसी गतिविधियों को भी शामिल किया गया है।
- **खेल–खेल में :** गीत गाकर खेलने, अभिनय करने, सीखने आदि गतिविधियों से शिक्षण प्रक्रिया को रोचक बनाने का भरसक प्रयास किया गया है।

हमें पूरा विश्वास है कि हमारे शिक्षक / शिक्षिकाएँ इस पाठ्य–पुस्तक की सामग्रियों का रचनात्मक उपयोग करेंगे, शिक्षण प्रभावी होगा, विद्यार्थी आनन्द से भाषा सीखेंगे जिससे इस पुस्तक का उद्देश्य सफल हो पाएगा ।

https://withteachers.in/

पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक की समीक्षा के लिए कोर् समिति

१.	कमिशनर तथा शासन सचिव, विद्यालय और गणशिक्षा विभाग	-अध्यक्ष
२.	राज्य प्रकल्प निदेशक, ओड़िशा विद्यालय शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण	-सदस्य
३.	निदेशक, उच्च माध्यमिक शिक्षा	-सदस्य
४.	निदेशक, माध्यमिक शिक्षा	-सदस्य
५.	निदेशक, प्राथमिक शिक्षा	-सदस्य
६.	सभापति, माध्यमिक शिक्षा परिषद	-सदस्य
७.	अध्यक्ष, उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद	-सदस्य
८.	निदेशक, पाठ्यपुस्तक निर्माण और विक्रयकेंद्र	-सदस्य
९.	निदेशक, वैषयिक शिक्षा और प्रशिक्षण निदेशालय	-सदस्य
१०.	निदेशक, ओड़िशा भाषा प्रतिष्ठान	-सदस्य
११.	निदेशक, समाज कल्याण, महिला और शिशु विकास विभाग, ओड़िशा	-सदस्य
१२.	प्रतिनिधि, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद	-सदस्य
१३.	अध्यक्ष, क्षेत्रीय शिक्षा प्रतिष्ठान, भुवनेश्वर	-सदस्य
१४.	प्रो. नित्यानंद प्रधान, अवसरप्राप्त अध्यक्ष, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल और अध्यक्ष, एस.सी.एफ., ओड़िशा	-सदस्य
१५.	डॉ. गोपाल प्रसाद महापात्र, अवसरप्राप्त सहयोगी प्रोफेसर (संस्कृत विभाग)	-सदस्य
१६.	डॉ. किशोर चंद्र महांति, अवसरप्राप्त शिक्षावित (विज्ञान)	-सदस्य
१७.	डॉ. विनय पट्टनायक, मुख्य परामर्शदाता, एन.एस्.टी.सी. कार्यक्रम	-सदस्य
१८.	डॉ. सुशांत दास, पूर्व सभापति, उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद, ओड़िशा	-सदस्य
१९.	डॉ. ललित विहारी लेंका, अवसरप्राप्त सहयोगी प्रोफेसर, ओड़िआ विभाग, एकाम्र कॉलेज, भुवनेश्वर	-सदस्य
२०.	डॉ. सरोजलक्ष्मी सिं, अध्यक्ष, रमादेवी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भुवनेश्वर	-सदस्य
२१.	डॉ. खगेश्वर दास, अंग्रेजी विशेषज्ञ, अध्यक्ष, पद्मपुर कॉलेज, बरगड़	-सदस्य
२२.	डॉ. बलराम साहु, प्रोफेसर माइक्रोवाइयोलोजि, सुआ विश्वविद्यालय, ओड़िशा कृषि वैषयिक विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर	-सदस्य
२३.	डॉ. गौरांग महांति, भौतिक विज्ञान विशेषज्ञ, अवसरप्राप्त अध्यक्ष, खल्लिकोट स्वयंशासित महाविद्यालय, ब्रह्मपुर, गंजाम	-सदस्य
२४.	निदेशक, शिक्षक शिक्षा निदेशालय एवं राज्य शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, ओड़िशा	-सदस्य

https://withteachers.in/

वंदे उत्कल जननी

वंदे उत्कल जननी
चारुहासमयी चारुभासमयी जननी, जननी, जननी ।
पूत-पयोधी-बिधौत-शरीरा,
तालतमाल-सुशोभित-तिरा,
शुभ्र तटिनीकूल-शिकर–समीरा
जननी, जननी, जननी ।।
घनबनभूमि राजीत अंगे,
नील भूधरमाला साजे तरंगे,
कल कल मुखरित चारु बिहंगे
जननी, जननी, जननी ।।
सुंदरशालि-सुशोभित-क्षेत्रा,
ज्ञानबिज्ञान-प्रदर्शित-नेत्रा
योगीऋषिगण- उटज पबित्रा
जननी, जननी, जननी ।।
सुंदर मंदिर मंडित-देशा,
चारु कलावलि-शोभित–वेशा
पुण्य तीर्थचय-पूर्ण–प्रदेशा
जननी, जननी, जननी ।।
उत्कल सुरवर-दर्पित–गेहा,
अरिकूल-शोणित-चर्च्चित-देहा,
विश्वभूमंडल-कृतबर–स्नेहा
जननी, जननी, जननी ।।
कबिकुलमौलि सुनंदन-बंद्याा,
भूवन बिघोषित-कीर्त्तिअनिंद्या,
धन्ये, पुण्ये, चिरशरण्ये
जननी, जननी, जननी ।।

https://withteachers.in/

विषय-सूची

इकाई - 1 1-30

1.	आइए, देखें, पहचानें और अभ्यास करें	1
2.	वर्णमाला जानें	13
3.	वर्ण लेखन की शैली सीखें	15
4.	मात्राएँ पहचानें	20
5.	संयुक्त वर्ण एवं उनके मानक रुप जानें	24
6.	देखें और पढ़ें	27
7.	परिवार (चित्र और बातचीत)	29

इकाई - 2 31-52

8.	गिनती सीखें	31
9.	अक्षर गीत	34
10.	बरसात और मेंढक	38
11.	चार दिशाएँ	42
12.	मीना का परिवार	44
13.	मुर्गा बोला, 'कुकड़ू-कूँ'	50
14.	मेला (चित्र और बातचीत)	51

https://withteachers.in/

क्रमसंख्या | पृष्ठा संख्या

इकाई - 3 53-75

15. प्रकृति से सीखो 53
16. रीना का दिन 57
17. नृत्य (चित्र और बातचीत) 63
18. दुनिया रंग - बिरंगी 64
19. डरो मत 66
20. जन्म - दिवस पर पेड़ लगाओ 71
21. गिलहरी की कहानी (चित्र और बातचीत) 74

इकाई - 4 76-89

22. गुब्बारे वाला 76
23. तोसिया का सपना 77
24. किसान 83
25. खेलकूद (चित्र और बातचीत) 87

याद रखें 90-97

सप्ताह, महीने, साल 90
शाक - सब्जी 91
फल - फूल 92-93
पशु - पक्षी 94-95
उत्सव 96
रंग भरिए 97

https://withteachers.in/

इकाई – 1

देखें, पहचानें और अभ्यास करें

अ

अनार

अ

आ

आम

आ

इ

इमली

इ

ई

ईंट

उ

उल्लू

ऊ

ऊन

ऋ

ऋषि

https://withteachers.in/

ए

एड़ी

ऐ

ऐनक

ओ

ओखली

औ

औरत

क

करेला

ख

खरगोश

ग

गमला

घ

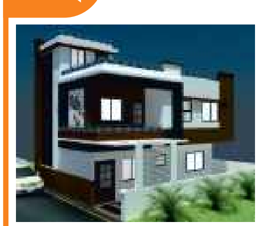

घर

ङ

ङ

च

चरखा

छ

छतरी

ज

जहाज

https://withteachers.in/

झ

झरना

ञ

ञ

ट

टमाटर

ठ

ठठेरा

https://withteachers.in/

ड

डमरू

ढ

ढक्कन

ण

ण

त

तरबूज

https://withteachers.in/

थ

थरमस

द

दवाई

ध

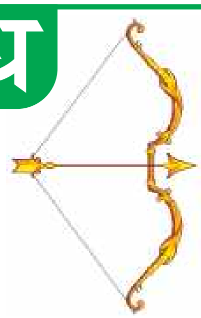

धनुष

न

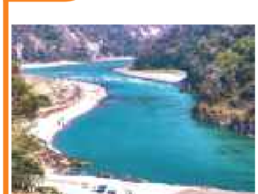

नदी

https://withteachers.in/

प

पहाड़

फ

फल

ब

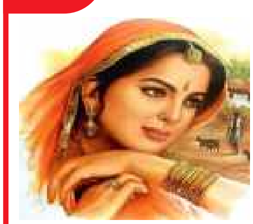

बहू

भ

भवन

https://withteachers.in/

म

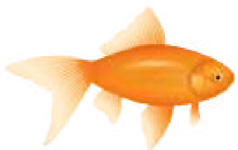

मछली

म

य

यज्ञ

य

र

रस्सी

र

ल

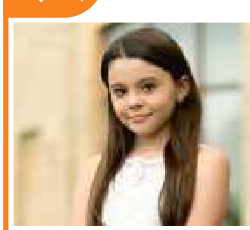

लड़की

ल

https://withteachers.in/

व

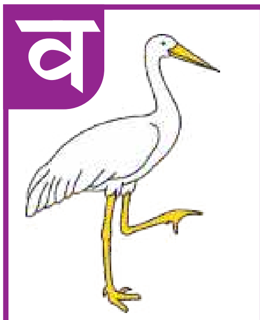

वक

श

शलगम

ष

षट्कोण

स

सपेरा

https://withteachers.in/

ह

हल

क्ष

क्षत्रिय

त्र

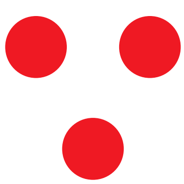

त्रय

ज्ञ

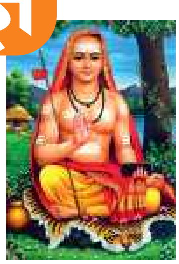

ज्ञानी

वर्णमाला जानें

(मूल स्वर-११ एवं मूल व्यंजन-३३)

स्वरवर्ण

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ	स्वरवर्ण-11
ଅ	ଆ	ଇ	ଈ	ଉ	ଊ	ଋ	ଏ	ଐ	ଓ	ଔ	

व्यंजनवर्ण

क	ख	ग	घ	ङ							
କ	ଖ	ଗ	ଘ	ଙ							
च	छ	ज	झ	ञ							
ଚ	ଛ	ଜ	ଝ	ଞ							
ट	ठ	ड	ढ	ण							
ଟ	ଠ	ଡ	ଢ	ଣ							
त	थ	द	ध	न							
ତ	ଥ	ଦ	ଧ	ନ							
प	फ	ब	भ	म							
ପ	ଫ	ବ	ଭ	ମ							
य	र	ल	व								
ଯ	ର	ଲ	ୱ								
श	ष	स	ह								मूल व्यंजन वर्ण-33
ଶ	ଷ	ସ	ହ								

https://withteachers.in/

क्ष	त्र	ज्ञ	श्र					संयुक्त व्यंजन-04
କ୍ଷ	ତ୍ର	ଜ୍ଞ	ଶ୍ର					
ं अनुस्वार		ः विसर्ग						अयोग वाह-02
ଂ		ଃ						
ँ चन्द्रविन्दु								अनुनासिक-01
ଁ								
ड़		ढ़						उत्क्षिप्त व्यंजन-02
ଡ଼		ଢ଼						

अभ्यास

1. वर्णमाला में छूट गए वर्णों को लिखें-

अ आ इ ____ उ ऊ ____ ए ऐ ओ औ

____ ख ग ____ ____ च छ ज ____ ञ ट ठ ____

ढ ण ____ थ द ध ____ प ____ ब ____ म य

____ ल ____ श ____ स ____ ____ त्र ज्ञ श्र ।

2. रिक्त स्थान भरें -

____ छ ज । क ____ ग । प फ ____ ।

त थ ____ । य ____ ल । श ष ____ ।

3. समस्त वर्णों को व्यवस्थित रूप से लिखें ।

https://withteachers.in/

वर्ण-लेखन की शैली सीखें

आइए, ऐसे लिखें

अ				अ	अ		
आ				अ	अ	आ	आ
इ					इ		
ई					इ	ई	
उ			उ				
ऊ			उ	ऊ			
ऋ						ऋ	
ए			ए				
ऐ			ए	ऐ			

https://withteachers.in/

ओ		उ	ऊ	अ	अ	आ	आ	ओ	
औ		उ	ऊ	अ	अ	आ	आ	ओ	औ
क				क					
ख				ख					
ग			ग						
घ				घ					
ङ				ड	ङ				
च			च	च					
छ				छ					
ज			ज	ज					

https://withteachers.in/

झ					झ	झ			
ञ				ञ					
ट			ट						
ठ			ठ						
ड				ड	ड़				
ढ				ढ	ढ़				
ण				ण					
त			त						
थ				थ					
द				द					

https://withteachers.in/

ध			ध	ध					
न			न						
प			प						
फ			फ	फ					
ब			ब	ब					
भ			भ	भ					
म			म	म					
य			य	य					
र			र						
ल			ल	ल					

व	०	व	व						
श	९	२	श।	श					
ष	८	प	ष	ष					
स	।	र	स	स	स				
ह	।	८	ह	ह					
क्ष	९	क	क्ष	क्ष	क्ष				
त्र	ˎ	ᒣ	त्र	त्र					
ज्ञ	२	ज	ज्ञ	ज्ञ					
श्र	श	श	श्र	श्र					

मात्राएँ पहचानें

वर्ण – मात्रा				
आ – ा	का	खा	गा	घा
इ – ि	चि	छि	जि	झि
ई – ी	टी	ठी	डी	ढी
उ – ु	तु	थु	दु	धु
ऊ – ू	पू	फू	बू	भू

https://withteachers.in/

ऋ – ृ	शृ	षृ	सृ	हृ
ए – े	के	खे	गे	घे
ऐ – ै	चै	छै	जै	झै
ओ – ो	टो	ठो	डो	ढो
औ – ौ	तौ	थौ	दौ	धौ
ं – ं	पं	फं	बं	भं
ः – ः	शः	षः	सः	अः
ँ – ँ	कँ	खँ	गँ	घँ

अभ्यास करें

मात्रा →	ा	ि	ी	ु	ू	ृ	े	ै	ो	ौ	ं	ः	ँ
क	का	कि	की	कु	कू	कृ	के	कै	को	कौ	कं	कः	कँ
ख													
ग													
घ													
च													
छ													
ज													
झ													
ट													
ठ													
ड													
ढ													
ण													
त													

https://withteachers.in/

थ														
द														
ध														
न														
प														
फ														
ब														
भ														
म														
य														
र														
ल														
व														
श														
ष														
स														
ह														

संयुक्त वर्ण एवं उनके मानक रूप जानें

ङ् + क	= ङ्क (ङ्क)	अङ्क / अंक, पङ्कज/पंकज, रङ्क/ रंक
ङ् + ख	= ङ्ख (ङ्ख)	शङ्ख/ शंख, शृङ्खला / शृंखला, पङ्खा / पंखा
ङ् + ग	= ङ्ग (ङ्ग)	गङ्गा / गंगा, सङ्गीत/ संगीत, सङ्गम / संगम
ङ् + घ	= ङ्घ (ङ्घ)	जाङ्घ/ जांघ, सङ्घमित्रा/ संघमित्रा, लङ्घन / लंघन
ञ् + च	= ञ्च (ञ्च)	कञ्चन/ कंचन, सञ्चय / संचय, पञ्चम / पंचम
ञ् + छ	= ञ्छ (ञ्छ)	वाञ्छा/ वांछा, लाञ्छन/ लांछन, लाञ्छित/ लांछित
ञ् + ज	= ञ्ज (ञ्ज)	गञ्जाम/गंजाम, रञ्जन / रंजन, निरञ्जन/ निरंजन
ञ् + झ	= ञ्झ (ञ्झ)	माञ्झा/ मांझा, विञ्झारपुर/ विंझारपुर, झञ्झावात/ झंझावात
ण् + ट	= ण्ट (ण्ट)	काण्टा/कांटा, कण्टक/ कंटक, घण्टा/ घंटा
ण् + ठ	= ण्ठ (ण्ठ)	कण्ठ/कंठ, लुण्ठन/ लुंठन, वैकुण्ठ/ वैकुंठ
ण् + ड	= ण्ड (ण्ड)	अण्डा/ अंडा, झण्डा/ झंडा, पण्डित/पंडित
ण् + ढ	= ण्ढ (ण्ढ)	पण्ढार/ पंढार, पण्ढरपुर / पंढरपुर
न् + त	= न्त (न्त)	अनन्त/ अनंत, सन्त/ संत, कुन्तला/ कुंतला
न् + थ	= न्थ (न्थ)	पन्थ/ पंथ, पान्थनिवास/ पांथनिवास, ग्रन्थ/ ग्रंथ
न् + द	= न्द (न्द)	गेन्दा/ गेंदा, आनन्द / आंनद, मन्दिर / मंदिर,
न् + ध	= न्ध (न्ध)	अन्धा / अंधा, सिन्धु/ सिंधु, इन्धन/ इंधन
म् + प	= म्प (म्प)	कम्पन/ कंपन, चम्पक/ चंपक, परम्परा/ परंपरा
म् + फ	= म्फ (म्फ)	इम्फाल/इंफाल, बाम्फी/ बांफी, गुम्फन/ गुंफन
म् + ब	= म्ब (म्ब)	अम्बा/ अंबा, अम्बर/ अंबर, पिताम्बर/ पितांबर
म् + भ	= म्भ (म्भ)	रम्भा/ रंभा, सम्भार/ संभार, प्रारम्भ/ प्रारंभ

https://withteachers.in/

क् + ष	= क्ष (କ୍ଷ)	क्षमता	क्षत्र	क्षमा
त् + र	= त्र (ତ୍ର)	त्राहि	त्रय	छात्र
श् + र	= श्र (ଶ୍ର)	श्रवण	श्रीफल	श्रमिक
क् + य	= क्य (କ୍ୟ)	वाक्य	क्यारी	क्यों
क् + र	= क्र (କ୍ର)	क्रोध	क्रम	क्रांति
क् + ल	= क्ल (କ୍ଲ)	क्लेश	शुक्ल	शुक्लांबर
क् + व	= क्व (କ୍ୱ)	पक्व	क्वांरा	परिपक्व
ग् + य	= ग्य (ଗ୍ୟ)	सौभाग्य	योग्य	ग्यारह
ग् + ल	= ग्ल (ଗ୍ଲ)	ग्लानि	ग्लोब	ग्लास
ग् + व	= ग्व (ଗ୍ୱ)	ग्वाला	ग्वालियर	ग्वार
ज् + य	= ज्य (ଜ୍ୟ)	राज्य	ज्योतिष	ज्येष्ठ
ट् + य	= ट्य (ଟ୍ୟ)	नाट्य	नाट्यकार	नाट्यशास्त्र
च् + छ	= च्छ (ଚ୍ଛ)	अच्छा	मच्छर	पुच्छ
प् + य	= प्य (ପ୍ୟ)	प्यार	प्यास	प्याज
प् + र	= प्र (ପ୍ର)	प्रथम	प्रमाण	प्रगति
त् + थ	= त्थ (ତ୍ଥ)	उत्थान	अश्वत्थ	अश्वत्थामा
त् + स	= त्स (ତ୍ସ)	वत्स	तत्सम	उत्सव
त् + य	= त्य (ତ୍ୟ)	सत्य	नित्य	नृत्य
द् + ध	= द्ध (ଦ୍ଧ)	बुद्धि	सिद्धि	शुद्ध
ल् + ह	= ल्ह (ଲ୍ହ)	कुल्हड़	कुल्हाड़ी	अल्हड
द् + भ	= द्भ (ଦ୍ଭ)	उद्भव	उद्भावन	उद्भ्रांत

https://withteachers.in/

ब् + द	= ब्द (ବ୍ଦ)	शब्द	शताब्दी	नि:शब्द
ब् + ज	= ब्ज (ବ୍ଜ)	अब्ज	सब्जी	कब्जा
न् + त	= न्त (ନ୍ତ)	वसंत	प्रांत	शांत
श् + च	= श्च (ଶ୍ଚ)	निश्चय	पश्चिम	आश्चर्य
श् + क	= श्क (ଶ୍କ)	इश्क	मुश्किल	इश्कलता
ष् + क	= ष्क (ଷ୍କ)	परिष्कार	पुष्कर	शुष्क
ष्+ ण	= ष्ण (ଷ୍ଣ)	कृष्ण	विष्णु	सहिष्णु
स् + व	= स्व (ସ୍ୱ)	स्वर	स्वभाव	स्वाद
स् + क	= स्क (ସ୍କ)	स्कूल	चुस्की	संस्कृत
स् + त	= स्त (ସ୍ତ)	मस्तक	स्तंभ	पुस्तक
ह + ल	= ह्ल (ହ୍ଲ)	प्रह्लाद	आह्लाद	जह्लाहल्ली
क् + क	= क्क (କ୍କ)	चक्का	पक्का	सिक्का
च् + च	= च्च (ଚ୍ଚ)	बच्चा	कच्चा	सच्चा
ट् + ट	= ट्ट/ ट्ट (ଟ୍ଟ)	पट्टी	मिट्टी	छुट्टी
ड् + ड	= ड्ड/ ड्ड (ଡ୍ଡ)	गुड्डा	अड्डा	हड्डी
त् + त	= त्त/त्त (ତ୍ତ)	पत्ता/पत्ता,	कुत्ता/ कुत्ता	सत्ता / सत्ता
न् + न	= न्न (ନ୍ନ)	गन्ना	मुन्ना	तमन्ना
प् + प	= प्प (ପ୍ପ)	छप्पर	चप्पल	कुप्पा
म् + म	= म्म (ମ୍ମ)	सम्मान	मरम्मत	चम्मच
ल् + ल	= ल्ल (ଲ୍ଲ)	प्रफुल्ल	बिल्ली	उत्फुल्लता
ब् + ब	= ब्ब (ବ୍ବ)	गुब्बारा	धब्बा	डिब्बा

https://withteachers.in/

देखें और पढ़ें

अ – अनार, अमरूद
आ – आम, आदमी
इ – इत्र, इकतारा
ई – ईश्वर, ईंधन
उ – उत्तर, उपकार
ऊ – ऊन, ऊँट
ऋ – ऋषि, ऋतु
ए – एक, एड़ी
ऐ – ऐरावत, ऐनक
ओ – ओखली, ओज
औ – औरत, औषध
क – कलम, कमल
ख – खरगोश, खटमल
ग – गमला, गाय
घ – घर, घड़ी
च – चरखा, चहल–पहल
छ – छड़ी, छतरी
ज – जहाज, जल
झ – झंडा, झूला
ट – टमाटर, टमटम
ठ – ठग, ठंड़ा
ड – डर, डगर
ढ – ढक्कन, ढोल
ड़ – पकड़, सड़क
ढ़ – बढ़ई, बूढ़ा
ण – चरण, कोण
त – तरबूज, तराजू
थ – थकान, थैला
द – दरिया, दशानन
ध – धन, धर्म
न – नमक, नेवला
प – पतंग, पगड़ी
फ – फन, फल
ब – बंदर, बैठक
भ – भेड़, भाग्य
म – मकान, मीठा
य – यश, युग
र – रंग, रथ
ल – लाभ, लालच
व – वस्त्र, विष
श – शंख, शरीफा
ष – षट्कोण, षट्चक्र
स – सरोवर, सुमन
ह – हंस, हनुमान
क्ष – क्षण, क्षमा
ज्ञ – विज्ञ, ज्ञान
त्र – त्रिलोक, त्रिशूल
श्र – श्रम, श्रमिक

https://withteachers.in/

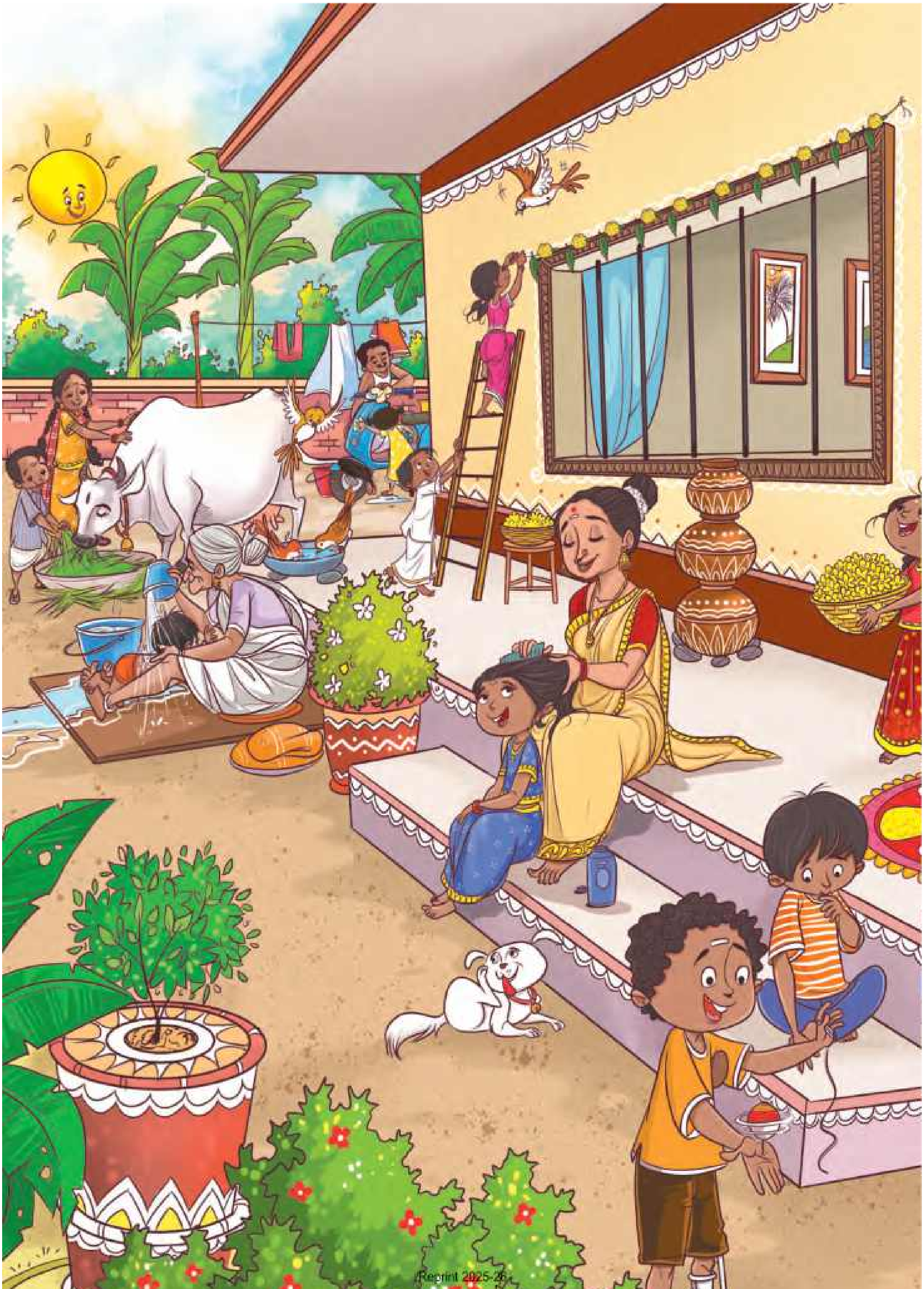
Reprint 2025-26

https://withteachers.in/

चित्र और बातचीत

परिवार

शिक्षण – संकेत : विद्यार्थियों को चित्र दिखाइए । परिवार तथा कार्यों के बारे में प्रश्नोत्तर द्वारा उनसे बातचीत कीजिए : –

प्रश्न : 1. इस परिवार में कौन – कौन हैं ? 2. वे क्या – क्या काम कर रहे हैं ? 3. बच्चे रंगोली क्यों बना रहे हैं ? 4. क्या हथेली पर लट्टू नचाने से गुदगुदी होती है ? 5. इस चित्र में कौन – सी बात तुम्हें अच्छी लगी और क्यों ?

https://withteachers.in/

दिए गए चित्र को पूरा कीजिए और नाम लिखिए :

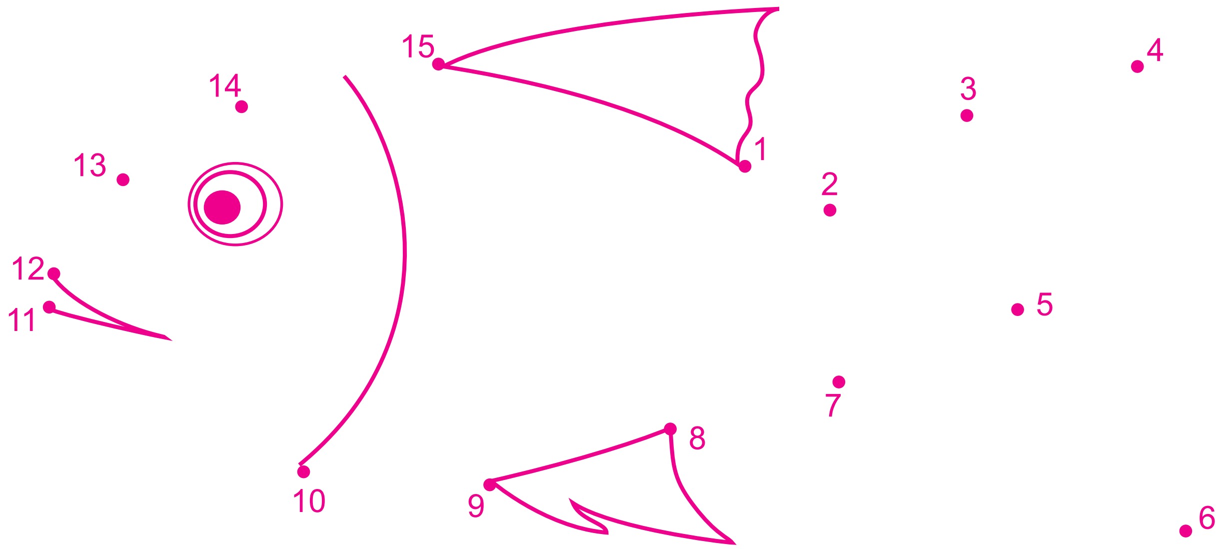

....

इकाई - 2

गिनती सीखें

(१)

एक दो तीन – ताक धिनाधिन धिन ।
चार पाँच छह – सदा सुरक्षित रह।
सात आठ नौ – खेत में जौ, बाड़े में गौ ।
पूरे दस के दस – पीओ गन्ने का रस ।

(२)

पहला काम, पढ़ो पाठ ।
दूसरा काम, फसल काट ।।
तीसरा काम, बोलो सच ।
चौथा काम, खुशी से नाच ।।
पाँचवां काम, करो भक्ति ।
छठा काम, बढ़ाओ शक्ति ।।
सातवाँ काम, करोगे योग ।
आठवाँ काम, भगाओ रोग ।।
नौवाँ काम, शास्त्र अध्ययन ।
दसवाँ काम, बनो इंसान ।।

https://withteachers.in/

गिनती

१. एक
२. दो
३. तीन
४. चार
५. पाँच
६. छह/छः
७. सात
८. आठ
९. नौ
१०. दस
११. ग्यारह
१२. बारह
१३. तेरह
१४. चौदह
१५. पंद्रह
१६. सोलह
१७. सत्रह
१८. अठारह
१९. उन्नीस
२०. बीस
२१. इक्कीस
२२. बाईस
२३. तेईस
२४. चौबीस
२५. पच्चीस
२६. छब्बीस
२७. सत्ताईस
२८. अठाईस
२९. उनतीस
३०. तीस
३१. इकतीस
३२. बत्तीस
३३. तैंतीस
३४. चौंतीस
३५. पैंतीस
३६. छत्तीस
३७. सैंतीस
३८. अड़तीस
३९. उनतालीस
४०. चालीस
४१. इकतालीस
४२. बयालीस
४३. तैंतालीस
४४. चौवालीस
४५. पैंतालीस
४६. छियालीस
४७. सैंतालीस
४८. अड़तालीस
४९. उनचास
५०. पचास
५१. इक्यावन
५२. बावन
५३. तिरपन
५४. चौवन
५५. पचपन
५६. छप्पन
५७. सत्तावन
५८. अट्ठावन
५९. उनसठ
६०. साठ
६१. इकसठ
६२. बासठ
६३. तिरसठ
६४. चौंसठ
६५. पैंसठ
६६. छियासठ
६७. सड़सठ
६८. अड़सठ
६९.उनहत्तर
७०. सत्तर
७१. इकहत्तर
७२. बाहत्तर
७३. तिहत्तर
७४. चौहत्तर
७५. पचहत्तर
७६. छिहत्तर
७७. सतहत्तर
७८. अठहत्तर
७९. उन्यासी
८०. अस्सी
८१. इक्यासी
८२. बयासी
८३. तिरासी
८४. चौरासी
८५. पचासी
८६. छियासी
८७. सत्तासी
८८. अट्ठासी
८९. नवासी
९०. नब्बे
९१. इक्यानबे
९२. बयानबे
९३. तिरानबे
९४. चौरानबे
९५. पंचानबे
९६. छियानबे
९७. सत्तानबे
९८. अट्ठानबे
९९. निन्यानबे
१००. सौ
१००० – एक हजार
१०,००० – दस हजार
१,००,००० – एक लाख
१०,००,००० – दस लाख
१,००,००, ००० – एक करोड़
१०,००,००,००० – दस करोड़
१,००,००,००,००० – दस अरब
१,००,००,००,००,००० – एक खरब

https://withteachers.in/

भिन्नसूचक संख्याएँ :

एक चौथाई	$\frac{1}{4}$	सवा दो	$2\frac{1}{4}$
आधा	$\frac{1}{2}$	ढाई	$2\frac{1}{2}$
पौन	$\frac{3}{4}$	पौने तीन	$2\frac{3}{4}$
सवा	$1\frac{1}{4}$	सवा तीन	$3\frac{1}{4}$
डेढ़	$1\frac{1}{2}$	साढ़े तीन	$3\frac{1}{2}$
पौने दो	$1\frac{3}{4}$		

भिन्नसूचक संख्याएँ :

पौने एक बजा है
12. 45

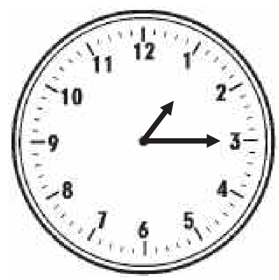

सवा एक बजा है
01. 15

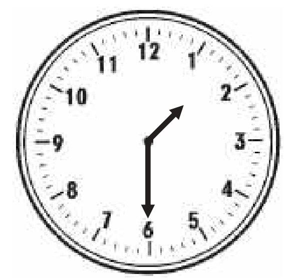

डेढ़ बजा है
01. 30

पौने दो बजे हैं
01. 45

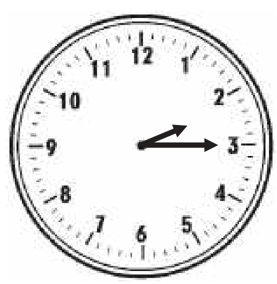

सवा दो बजे हैं
02. 15

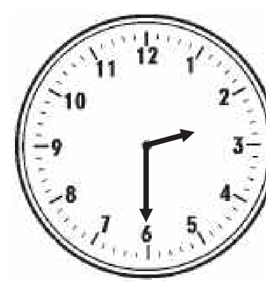

ढाई बजे हैं
02. 30

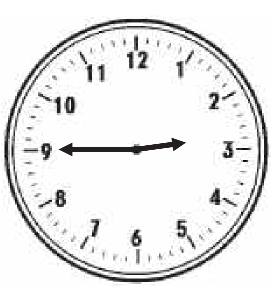

पौने तीन बजे हैं
02. 45

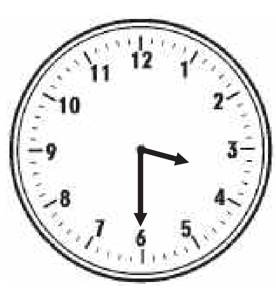

साढ़े तीन बजे हैं
03. 30

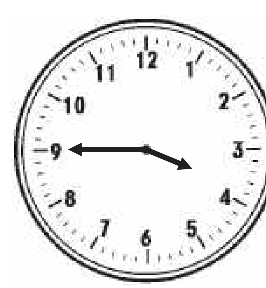

पौने चार बजे हैं
03. 45

https://withteachers.in/

अक्षर गीत

अनार दाड़िम भी कहलाता।
आम चूसकर बच्चा खाता॥

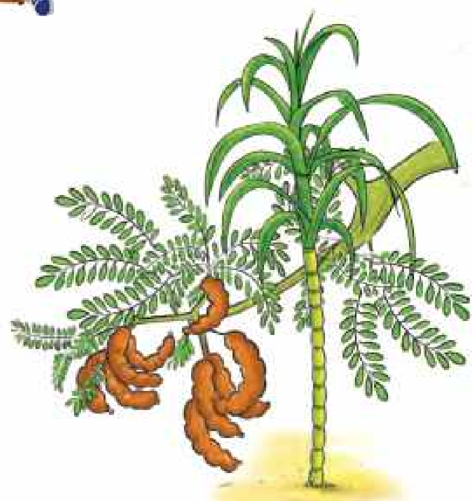

इमली तो खट्टी होती है।
ईख सदा मीठी होती है॥

उल्लू रात में जगते रहते।
ऊदबिलाव जल-थल में रहते॥

ऋषि-मुनि आकर हवन कराते।
ॠ तो संस्कृत में ही पाते॥

(ऌ भी संस्कृत में ही होता।
ॡ का तो कुछ पता न चलता॥)

एड़ी में काँटा चुभ जाता।
ऐनक कानों पर चढ़ जाता॥

ओखल में कूटते हैं अनाज।
औषधि करती रोग इलाज॥

स्वर सब यहीं समाप्त होते हैं।
अब हम व्यञ्जन पर चलते हैं॥

https://withteachers.in/

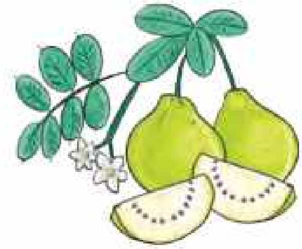

अंशक अमरूदों के लाओ।
अः अः सब मिल उनको खाओ।।

कमल ताल में सबको भाते।
खरल में मसाले पिस जाते।।

गमलों में पानी दे आना।
घड़ियालों के पास न जाना।।

क**ङ्**घे से माँ बाल बनातीं।
क से **ङ** ध्वनि कण्ठ से आतीं।।

चम्मच से हम खाना खाते।
छतरी बारिश में ले जाते।।

"**ज**न-गण-मन" सब बच्चे गाते।
झण्डा खम्भे पर फहराते।।

प**ञ्**चम स्वर में कोयल गातीं।
च से **ञ** ध्वनि तालु से आतीं।।

टट्टू रस्ते में अड़ जाता।
ठठेरा उत्तम पात्र बनाता।।

https://withteachers.in/

डलिया में तुम फूल सजाओ।
ढक्कन शीशी पर लगवाओ।।

पण्डिता हमको पाठ पढ़ातीं।
ट से ण ध्वनि मूर्धा से आतीं।।

तबला लड़का बजा रहा है।
थर्मस से चाय पिला रहा है।।

दरी बैठ हम गाना गाते।
धनुष उठा हम तीर चलाते।।

नल से नानी पानी लातीं।
त से न ध्वनि दाँत से आतीं।।

पतङ्ग से बच्चे पेच लड़ाते।
फल पेड़ों से तोड़ कर खाते।।

बन्दर कूद-फाँदकर आए।
भगोने लोटे सब लुढ़काए।।

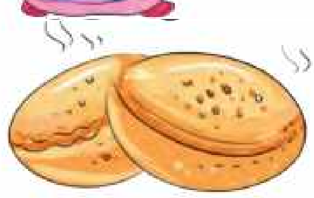

मटर-कचौरी बुआ बनातीं।
प से म ध्वनि ओष्ठ से आतीं।।

https://withteachers.in/

यज्ञ में घी की आहुति देते।
रबड़ी हलवाई से लेते॥

लवण नमक को भी हैं कहते।
वनमानुष जङ्गल में रहते॥

दो-स्वर-मेल से **य र ल व** आते।
अत: अर्धस्वर ये कहलाते॥

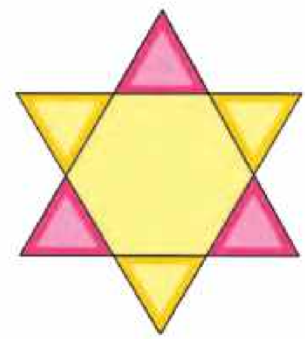

शरीफ़ा पकने पर ही खाओ।
षट्कोण चित्र स्वयं बनाओ॥

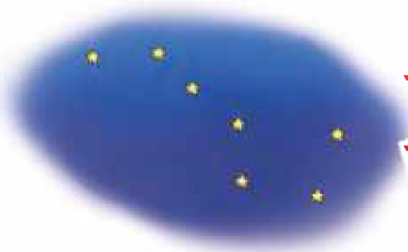

सप्तर्षि आकाश चमकाते।
हल किसान खेतों में चलाते॥

श ष स ह ऊष्म कहाते।
अक्षर यहीं समाप्त हो जाते॥

यही वर्णमाला हम गाते।
मिल-जुल अपना ज्ञान बढ़ाते!

आपको अब सब अक्षर आते?

– मंजुल भार्गव

शिक्षण – संकेत – यह कविता केवल आनंद के लिए है । छात्रों को उत्साह के साथ इसके अलग – अलग खंडों को बार बार आवृत्ति करने के लिए प्रोत्साहित करें । **शिक्षक निम्नलिखित शब्दों का उच्चारण तथा अर्थ बताएँ** । दाड़िम, ईख, ऊदबिलाव, हवन, ऐनक, इलाज, व्यंजन, अंशक, चूसना, चूथनी, भाना, फहराना, लुढ़काना, घड़ियाल, ठठेरा, आहुति, ऊष्म ।

https://withteachers.in/

सुनें कहानी

बरसात और मेंढक

सोमारू और कमली जंगल घूमने गए। लौटते समय उन्हें ज़ोर की भूख लगी। उन्हें एक गाय दिखी। कमली ने गाय से कहा, "ज़रा-सा दूध दे दो तो भूख मिटे।" गाय बोली, "मेरेलिए खाने को घास नहीं है। मुझे हरी-हरी घास खिलाओ तो मैं दूध दूँ।"

कमली और सोमारू चले घास लाने, पर घास तो सूखकर पीली हो गई थी। घास ने कहा, "मुझे पानी दो तो मैं खाने लायक बनूँ।"

कमली और सोमारू चले पानी लाने पर नदी तो सूखी हुई पड़ी थी। नदी ने कहा, "बरसात हो तो मुझे पानी मिले।"

https://withteachers.in/

कमली और सोमारू चले बादल लाने। पर बादल तो बिन बरसे टँगे थे।

बादल बोले, "मेंढक टर्र-टर्र बोले तब तो हम बरसें।"

कमली और सोमारू चले मेंढक के पास। मेंढक बोले, "हम बाहर निकलते हैं तो बच्चे हमें पत्थर मारते हैं।" दोनों बोले, "जो हुआ उसके लिए माफ़ करो। अब से तुम्हें कोई पत्थर नहीं मारेगा।"

मेंढक मान गए और टर्र-टर्र करने लगे। टर्र-टर्र सुनकर बादल आए और झूमकर बरसे। नदी में पानी बहने लगा।

https://withteachers.in/

कमली और सोमारू ने नदी से पानी लाकर घास को दिया। घास हरी हो गई। दोनों घास लेकर गाय के पास गए। गाय ने घास खाकर दूध दिया। कमली और सोमारू ने दूध पीकर अपने घर की राह ली।

—*साभार, इकतारा*

https://withteachers.in/

बातचीत के लिए

1. आपको यह कहानी कैसे लगी ?
2. मेंढक सोमारु और कमली की बात क्यों मान गया ? क्या आप होते तो मान जाते ?
3. कहानी से लिए इन वाक्यों को पढ़िए । क्या आपने कभी किसी मित्र के साथ ऐसा कुछ किया है जिससे उन्हें चोट लगी हो या बुरा लगा हो ?

> मेंढक बोले, ''हम बाहर निकलते हैं तो बच्चे हमें पत्थर मारते हैं ।'' दोनों बोले, ''जो हुआ उसके लिए माफ करो । अब से तुम्हें कोई पत्थर नहीं मारेगा ।''

शब्दों का खेल

'ढ', 'ड', 'ड़' और 'द' वाले शब्द बनाइए । फिर सभी शब्दों को जोर से पढ़िए । क्या 'ढ़', 'ड', 'ड़' और 'द' की ध्वनियाँ बोलने-सुनने में अलग लगती हैं ?

'ढ' वाले शब्द	'ड' वाले शब्द	'ड़' वाले शब्द	'द' वाले शब्द
मेंढक	डमरू	घड़ी	बादाम
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

वाक्य गठन : सार्थक वाक्य बनाएँ – जंगल, बरसात, बादल, पत्थर, राह ।
शिक्षण संकेत : दूसरे प्रश्न पर सभी विद्यार्थियों को बोलने का अवसर दीजिए । कहानी के संदर्भ को उनके जीवन के साथ जोड़िए ।

https://withteachers.in/

आनंदमयी कविता :

चार दिशाएँ

उगता सूरज जिधर सामने
उधर खड़े हो, मुँह करके तुम ।
ठीक सामने पूरब होता
और पीठ पीछे है पश्चिम ।
बायीं ओर दिशा उत्तर की
दायीं ओर तुम्हारे दक्षिण ।
चार दिशाएँ होती हैं यों
पूरब-पश्चिम-उत्तर-दक्षिण।

—साभार, यू.पी. बोर्ड एवं
एस.सी.ई.आर.टी., यू.पी.

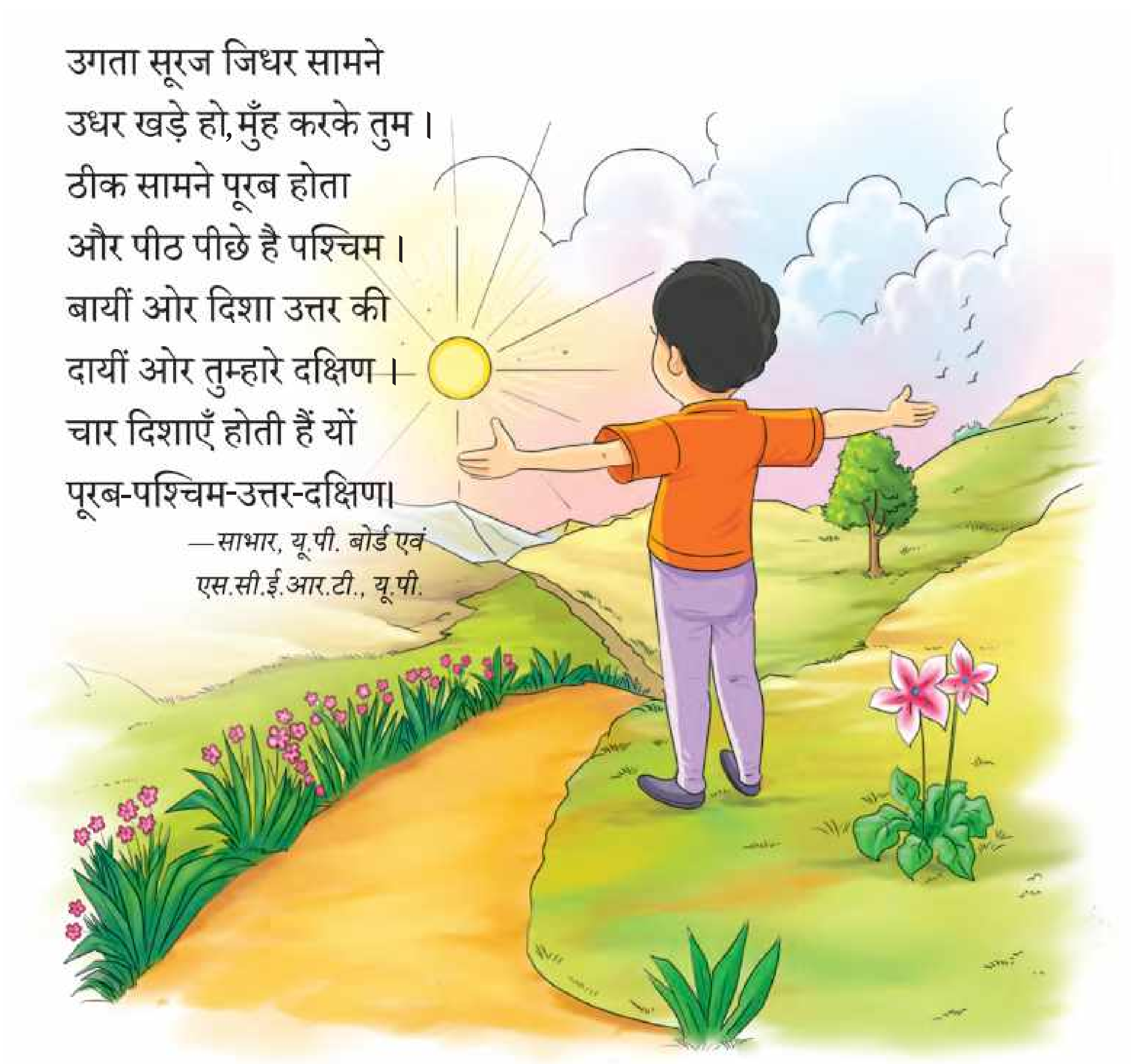

https://withteachers.in/

बातचीत के लिए

1. आप दिशा का अनुमान कैसे लगाते हैं ?
2. नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं । इन शब्दों की सहायता से अपनी – अपनी कहानी बनाइए और कक्षा में सुनाइए ।

आकाश	ओला	बादल	जंगल	मिलकर	जानवर
शेर	हाथी	लोमड़ी	डर	सुबह	खुशी–खुशी
नाचना	पहाड़ ।				

खेल – खेल में

एक गोले में बैठकर इस गतिविधि को कीजिए :

1. आपकी दाईं ओर कौन – कौन से मित्र बैठे हैं ?
2. आपकी बाईं ओर कौन – कौन से मित्र बैठे हैं ?
3. बाईं ओर से आप किस नंबर पर हैं ?
4. दाईं ओर से आप किस नंबर पर हैं ?

आइए, कुछ बनाएँ

छोटे समूहों में चारों दिशाओं के नाम लिख कर कार्ड्स बनाइए और दीवारों पर सही जगह लगाइए । चारों दिशाओं के लिए कुछ चित्र भी बनाइए ।

दिशाओं के नाम याद करें

1. पूर्व
2. पश्चिम
3. उत्तर
4. दक्षिण
5. ऐशान्य
6. आग्नेय
7. नैऋत्य
8. वायव्य
9. अध:
10. ऊर्ध्व

समझें और मिलाएँ

गोपाल उगते सूरज की ओर मुँह कर खड़ा है। अब चार दिशाओं को पहचानें और रेखा खींच कर स्तंभ मिलाएँ ।

'क' स्तंभ	'ख' स्तंभ
गोपाल की बाईं ओर	पश्चिम
गोपाल के सामने	उत्तर
गोपाल की दाईं ओर	पूर्व
गोपाल के पीछे	दक्षिण

https://withteachers.in/

सुनें कहानी

मीना का परिवार

मीना के परिवार में सात लोग हैं— उसके दादा, दादी, माता, पिता, चाचा, मीना और उसका छोटा भाई दिवाकर। दिवाकर तीन साल का है। वह बहुत नटखट और चुलबुला है।

मीना को अपने भाई के साथ खेलने में बहुत आनंद आता है। दिवाकर भागकर कमरे के किवाड़ के पीछे छिप जाता है। मीना उसे ढूँढ लेती है तो वह ज़ोर-ज़ोर से हँसता है।

https://withteachers.in/

मीना उसे गिनती सिखाती है। दिवाकर कहता है, "एक, दो, तीन, चार" तो मीना कहती है, "चाचाजी हमको करते प्यार।"

तभी चाचाजी आ जाते हैं और दिवाकर को गोद में उठा लेते हैं।

मीना, चाचाजी और दिवाकर बरामदे में जाते हैं जहाँ दादी और माँ फल काट रही हैं। मीना के पिता और दादाजी गमलों में पानी दे रहे हैं।

https://withteachers.in/

थोड़ी देर में माँ सबको फल देती हैं। सब लोग मिल-जुल कर खुशी से फल खाते हैं और आपस में बातें करते जाते हैं। कितना प्यार भरा है मीना का परिवार!

–मालती देवी

शिक्षण-संकेत– विद्यार्थियों के साथ उनके परिवार के विषय में बातचीत करें । परिवार में कौन – कौन हैं और वे घर में क्या – क्या काम करतें हैं ? आप घर में कौन – कौन से खेल खेलते हैं ? आप घर के किन कामों को करने में सहायता करते हैं ?

https://withteachers.in/

बातचीत के लिए

1. इस कहानी में कौन – कौन हैं ?
2. मीना के भाई का नाम क्या है ?
3. आप अपने घर में कहाँ – कहाँ छिप सकते हैं ?
4. ''एक, दो, तीन, चार

   चाचाजी हमको करते प्यार ।

   चाचा की जगह दादा, नाना, नानी और अपने परिवार के अन्य लोगों के लिए इन पंक्तियों को गाइए ।

शब्दों का खेल

पढ़िए, समझिए और लिखिए –

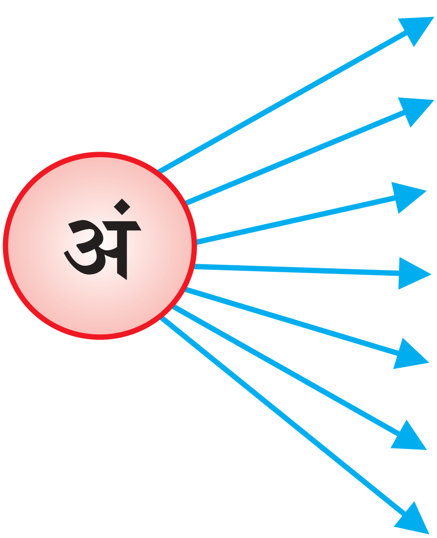

गूर		अंगूर
जीर		....
डा		....
दर		....
बर		....
ग		....
त		....

https://withteachers.in/

खेल-खेल में शब्द बनाएँ

1. इस कहानी में दिवाकर, दादाजी और दादीजी हैं । आँखें बंद करके इन शब्दों को बोलिए। इनकी पहली ध्वनि बताइए ।

2. 'द' से शुरू होने वाले कुछ और शब्द बताइए ।

3. नीचे दिए हुए शब्दों को लिखिए –

   दादा   दादी

4. इस कहानी में 'दादा' और 'दादी' शब्दों को पहचान कर उन पर घेरा लगाइए ।

> **शिक्षण – संकेत :** विद्यार्थी 'दी', 'दे', 'दो' आदि से शूरू होने वाले या अपनी भाषा के शब्द भी बता सकते हैं । उन्हें स्वीकार करें और बोर्ड़ पर लिखें । फिर विद्यार्थियों को अनुमान से पढ़ने का अवसर दें। शब्दों की ओर संकेत करते हुए आप पूछ सकते हैं – किसने कौन – सा शब्द दिया था ? 'दिवाकर', 'दादाजी', 'दरवाजा', 'अदरक', 'चाँद', 'दस', 'गेंद' आदि शब्दों की सहायता से 'द' ध्वनि और उसकी आकृति की पहचान करवाएँ ।

5. यह कहानी मीना के परिवार के बारे में है। नीचे 'मीना' शब्द लिखने का प्रयास कीजिए ।

   मीना   मीना   मीना

6. नीचे दिए गए शब्दों को पढ़ने और लिखने का प्रयास कीजिए –

   नाना,   नानी,   मामा,   मामी,   दादा, दादी,   दीदी,   माँ ।

   नाना   नानी   मामा   मामी

   दादा   दादी   दीदी   माँ

https://withteachers.in/

7. **नीचे दिए गए चित्रों के नाम बताइए और पढ़िए –**

नीम नदी दाने

शिक्षण – सकेंत : पृष्ठ 46 पर दिए गए चित्र में मीना के परिवार के सदस्यों की पहचान करवाएँ। नाना, नानी, दादा, दादी, मामी आदि रिश्तों के विषय में पूछें । 'मीना' शब्द के आधार पर 'म' और 'न' की ध्वनि एवं आकृति की पहचान करवाएँ । माला, मकान, नल आदि शब्दों की सहायता भी ली जा सकती है। विद्यार्थियों से 'द', 'म', 'न' की ध्वनियाँ वाले शब्द बताने के लिए कहें । विद्यार्थियों की मातृभाषा के शब्दों को भी स्वीकार करें ।

https://withteachers.in/

मुर्गा बोला कुकड़ू- कूँ

मुर्गा बोला कुकड़ू-कूँ,
चल मेरे भैया रुकता क्यों!

कुत्ता भौंके, भौं-भौं-भौं,
अटकी गाड़ी पौं-पौं-पौं।

बकरी आई, बिल्ली आई,
मेंऽ-मेंऽ आई, म्याऊँ-म्याऊँ आई।

धक्की गाड़ी धौं-धौं-धौं,
चल दी गाड़ी पौं-पौं-पौं।

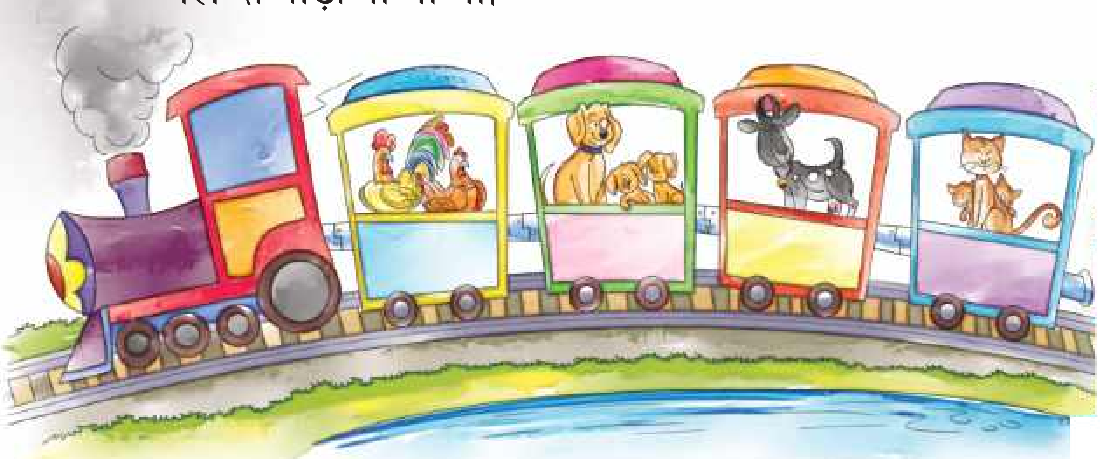

शिक्षण-संकेत : अन्य जानवरों की आवाजें निकालते हुए इस खेल गीत को आगे बढ़ाइए। विद्यार्थियों को खेल के मौदान में एक – दूसरे के पीछे रेलगाड़ी बनाकर आगे बढ़ते हुए इस खेल गीत का आनन्द लें।

https://withteachers.in/

चित्र और बातचीत

मेला

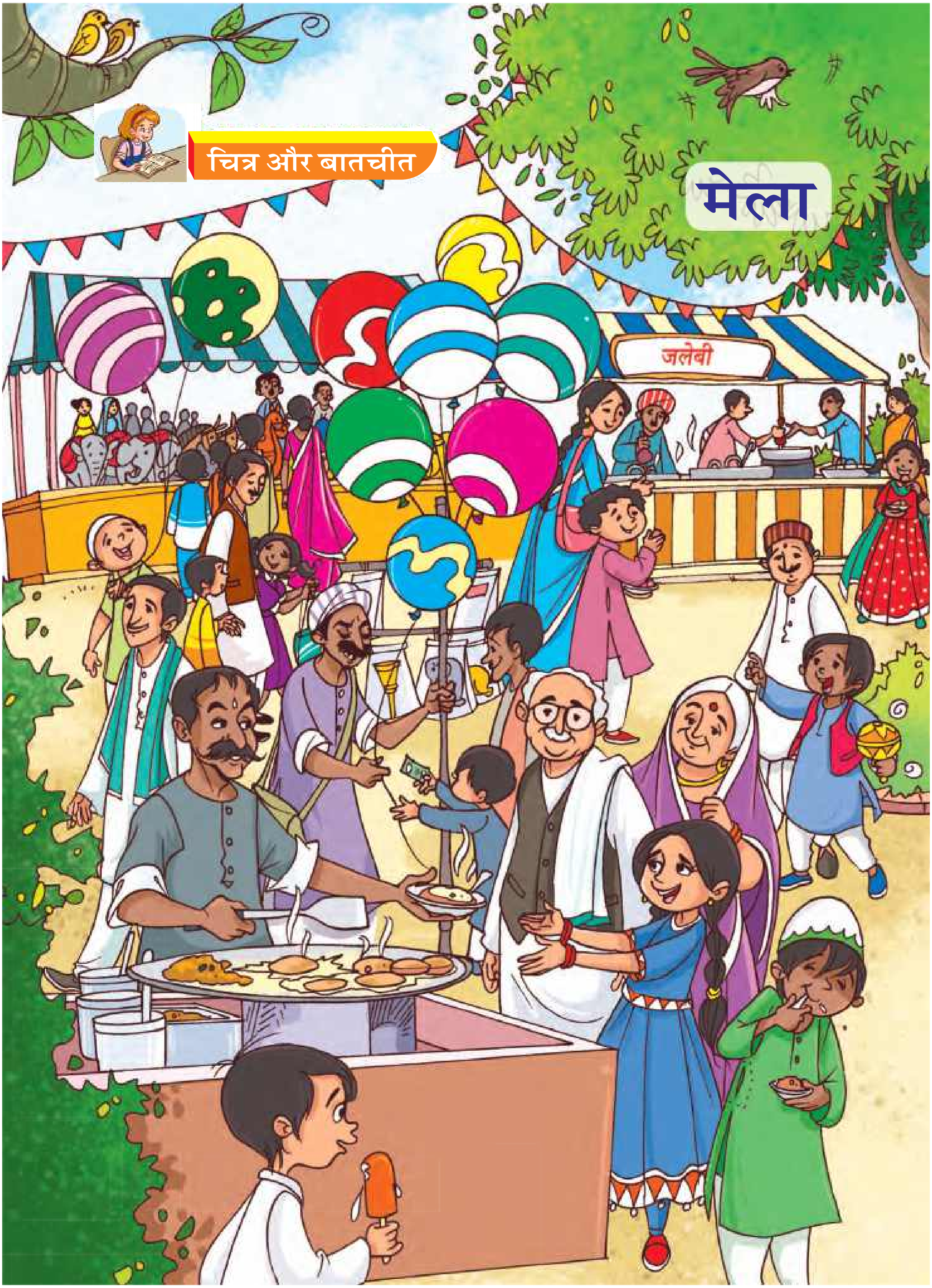

https://withteachers.in/

शिक्षण-संकेत : 1. मेले में क्या-क्या दिख रहे हैं ? 2. कौन-कौन से झूले लगे हैं ? 3. मेले में बच्चों को सबसे अधिक क्या पसंद आया होगा ? 4. आप अपने इलाके में लगनेवाले मेले के विषय में बताइए।

https://withteachers.in/

इकाई – 3

प्रकृति से सीखो

पहाड़ कहता धीरज रखो
जीवन में आता है दु:ख ।
झरना कहता बनो कर्मवीर
कर्तव्य में ही सुख ।।

बोलती नदी करो लक्ष्य भेद
हो सफल जीवन नाटक ।
बोलता सागर भर कर रत्न
मलिनता को तू दे फेंक ।।

कहे मलय दो आश्वासन
किसी का दिल न तोड़ो ।
फूल कहते करो प्यार
काँटों से न फोड़ो ।।

https://withteachers.in/

कहे आसमान फैला हृदय
न कर संकुचित ।
कहे बादल बुझा लो प्यास
न रहे जीव तृषित ।।

पेड़ कहते सोचो परहित
मिटाओ तन की भूख ।
धरती कहती स्नेह में बंधो
प्रेम की बाँसुरी फूँक।।

कहता सूरज बनो अँगार
जगाओ जग में ज्योति ।
कहता चाँद दो शीतलता
विरही मन में प्रीति ।।

सीखो सदाचार प्रकृति से
न करो मन – मानी ।।
होगा चरितार्थ मानव जनम
और बनोगे महाज्ञानी ।।

-प्रो.डॉ. सत्यनारायण पंडा

https://withteachers.in/

शब्द		अर्थ
धीरज	–	धैर्य
लक्ष्य	–	उद्देश्य
मलिनता	–	गंदगी
मलय	–	हवा, पवन
तृषित	–	प्यासा
अँगार	–	आग
शीतलता	–	ठंडक
विरही	–	अकेलेपन में दु:खी
चरितार्थ	–	सार्थक, सफल

बातचीत के लिए

प्रश्न –

1. पहाड़ क्या कहता है ?
2. हृदय फैलाने की बात कौन करता है ?
3. प्रकृति से हमें क्या – क्या सीखने हैं ?
4. इससे क्या लाभ होगा ?
5. इस कविता में किन – किन से सीखने की बात कही गयी है ?

सोचें और बोलें

1. हम कौवे से क्या सीखेंगे ?
2. कुत्ता हमें क्या सिखाता हैं ?
3. बगुले से हम क्या सीखेंगे ?

शिक्षण संकेत : शिक्षक इसी तरह कक्षा में चर्चा करें ताकि विद्‌यार्थी आत्मविश्वास के साथ बोल सकें ।

https://withteachers.in/

भाषा ज्ञान

1. तुकांत शब्द लिखें

दु:ख ....

तोड़ी ....

ज्योति ....

मानी ....

2. रिक्त स्थान भरें

सीखो सदाचार ....

न करो मनमानी ।

.... मानव जनम

और बनोगे ....।।

3. समानार्थी शब्द लिखें –

पहाड़ ....

सागर ....

मलय ....

धरती ....

आसमान ....

https://withteachers.in/

सुनें कहानी

रीना का दिन

हर दिन रीना सुबह जल्दी उठती है। उठकर बिस्तर को ठीक से लगाती है।

नीम की दातुन से अपने दाँत साफ़ करती है। साबुन से नहाकर रीना स्वच्छ कपड़े पहनती है।

वह अपने बाल में तेल लगाकर कंघी करती है। रीना माँ के बनाए पराठे और सब्ज़ी आनंद के साथ खाती है। रीना माँ के गले लगती है और फिर स्कूल जाती है।

स्कूल के रास्ते में रीना अपनी सहेली दीपा से मिलती है।

दोनों एक-दूसरे से सुप्रभात कहती हैं और हँसती-खेलती स्कूल जाती हैं।

https://withteachers.in/

स्कूल में प्रार्थना के बाद रीना अपनी कक्षा में जाती है। जैसे ही उनकी अध्यापिका कक्षा में आती हैं, सभी बच्चे खड़े हो जाते हैं और नमस्ते करते हैं। अध्यापिका भी मुस्कुराती हुई नमस्ते करती हैं।

रीना स्कूल में मन लगाकर पढ़ाई करती है।

वह अपनी सहेलियों के साथ खेलती है और थोड़ी शरारत भी करती है।

घर आकर वह हाथ-मुँह धोती है।

फिर वह अपनी स्कूल की सभी बातें अपने परिवार को बताती है।

रीना अपने प्यारे से छोटे भाई के साथ भी खेलती है।

रीना को रात को जल्दी ही नींद आ जाती है।

दादी प्यार से रीना को शुभ रात्रि कहकर सुला देती हैं।

https://withteachers.in/

शब्द		अर्थ
दातुन	–	दाँत साफ करने की टहनी
स्वच्छ	–	साफ
कंघी	–	बाल सँबारने का उपकरण
सहेली	–	सखी
शरारत	–	बदमाशी, शैतानी

बातचीत के लिए

1. रीना सुबह अपनी सहेली से मिलने पर क्या कहती है ?
2. रीना की दादी रात को सोने से पहले रीना से क्या कहती हैं ?
3. आप क्या कहकर बड़ो का अभिवादन करते हैं ?
4. घर पर जब कोई अतिथि आते हैं, तो आप क्या कहकर उनका स्वागत करते हैं ?
5. अगर आपको रास्ते में कोई परिचित जन मिल जाएँ, तो आप क्या कहते हैं ?

खोजें - जानें

पता कीजिए कि आपके सहपाठियों के घर पर अभिवादन कैसे करते हैं ?

अभिनय सहित समझाइए कि आप –

1. मंजन कैसे करते हैं ?
2. कैसे मुँह धोते हैं ?
3. बाल कैसे बनाते हैं ?
4. खाना कैसे खोत हैं ?
5. हाथ कैसे धोते हैं ?
6. कैसे सोते हैं ?

खेल - खेल में

मिट्टी से 'घर–घर' खेल की चीजें बनाइए, जैसे – चूल्हा, थाली, कटोरी आदि । अब अपने मित्रों के साथ मिलकर 'घर – घर' खेलिए ।

दिएगए शब्दों से वाक्य बनाएँ: बिस्तर, प्रार्थना, परिवार,स्वच्छ, आनंद ।

शिक्षण-संकेत : अभिवादन संबंधी गतिविधि का उद्देश्य है कि विद्यार्थी अपनी संस्कृति की विविधता को समझ सकें । विद्यार्थियों को चर्चा और अभिनय का कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें । विद्यार्थियों को 'घर - घर' खेल खेलने की चीजें बनाने के लिए मिट्टी उपलब्ध करवाएँ । मिट्टी के खिलौने बनाने में विद्यार्थियों की सहायता करें ।

https://withteachers.in/

चित्रकारी और लेखन

अपने घर में क्या – क्या अच्छे लगते हैं और क्यों ? चित्रों की सहायता से बताइए । इन शब्दों में आप अपने चित्र के लिए कुछ शब्द चुन सकते हैं रसोई, कमरा, बरामदा, आँगन, छज्जा, छत, माँ, पिता, दादी, दादा, कहानी, खीर, दूध आदि ।

सोचें और बताएँ

आप घर में क्या–क्या काम करते हैं ? सही चिह्न लगाएँ–

हाथ हैं मेरे छोटे – छोटे,
काम करूँ मैं बड़े – बड़े ।

शिक्षण - संकेत : विद्यार्थियों से सुनें कि उन्होने क्या बनाया है और उनके द्वारा कहे गए वाक्य उनके विद्यार्थियों के साथ लिखें । विद्यार्थियों को कुछ शब्द लिखने के लिए भी प्रोत्साहित करें ।

https://withteachers.in/

क्रम से सजाकर वाक्य बनाइए

1. सुबह उठती है हर दिन जल्दी रीना ।

....

2. जाते हैं खड़े बच्चे सभी हो ।

....

3. नींद रीना को आती है जल्दी

....

4. आती हैं कक्षा में शिक्षिका

....

5. कहती हैं एक दूसरे से दोनों सुप्रभात ।

....

https://withteachers.in/

सबके घर

रेखा खींचकर पशु–पक्षियों को उनके घर तक पहुँचाएँ

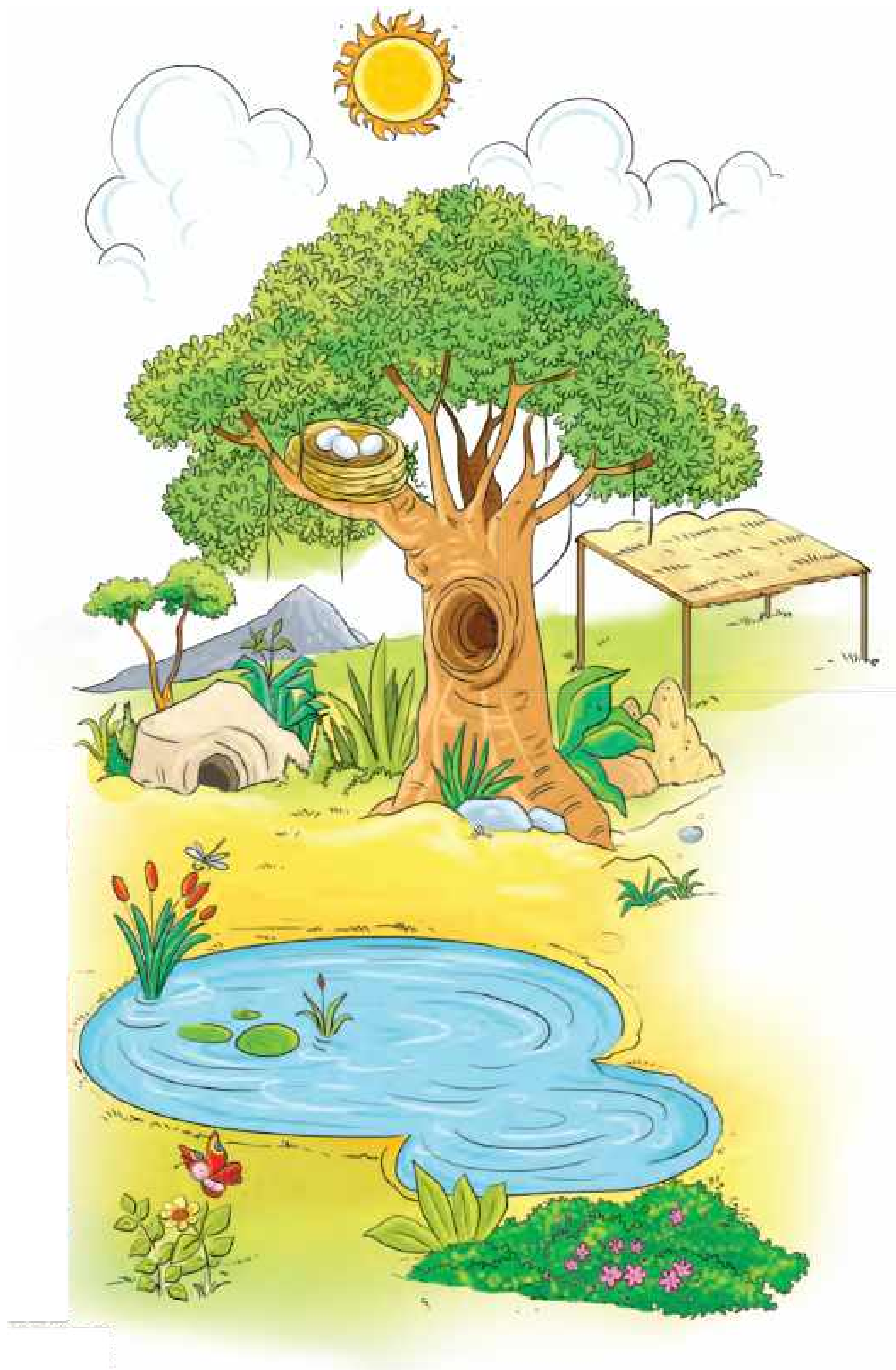

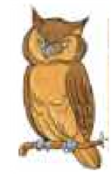

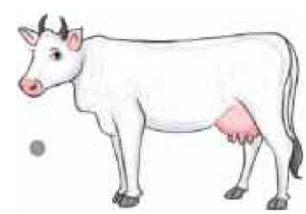

https://withteachers.in/

चित्र और बातचीत

नृत्य

ओड़िशी नृत्य

संबलपुरी नृत्य

दंड़ नृत्य

घोड़ा नृत्य

घुमरा नृत्य

कठपुतली नृत्य

रणपा नृत्य

छऊ नृत्य

झूमर नृत्य

ढेमसा नृत्य

शिक्षण संकेत : शिक्षक ओड़िशा के लोकनृत्य के संबंध में चर्चा करेंगे । अपने – अपने समाज में प्रचलित नृत्य के संबंध में विद्यार्थियों से पूछेंगे। किस नृत्य का संबंध किस उत्सव के साथ रहा है, आपस में चर्चा करेंगे ।

https://withteachers.in/

दुनिया रंग – बिरंगी

नीला ! जैसे खुला आकाश है,
सागर का नीला पानी है,
मोर के सुन्दर पंख हैं,
और पेड़ पर बैठे पंछी हैं ।

पीला ! जैसे चमचमाता सूरज हैं,
पका आम और केला हैं,
सब्जियों में नींबू है
और सूरजमुखी का फूल हैं ।

लाल ! जैसे फलों में सेब हैं
खुशबूदार फूल गुलाब है,
चेरी और लाल टमाटर है,
और मेरी नाक पर फुंसी है ।

हरा ! जैसे हरी–हरी ये घास हैं,
मीठे–मीठे मटर हैं,
पालक और बंदगोभी हैं,
और पेड़ के हरे – हरे पत्ते हैं ।

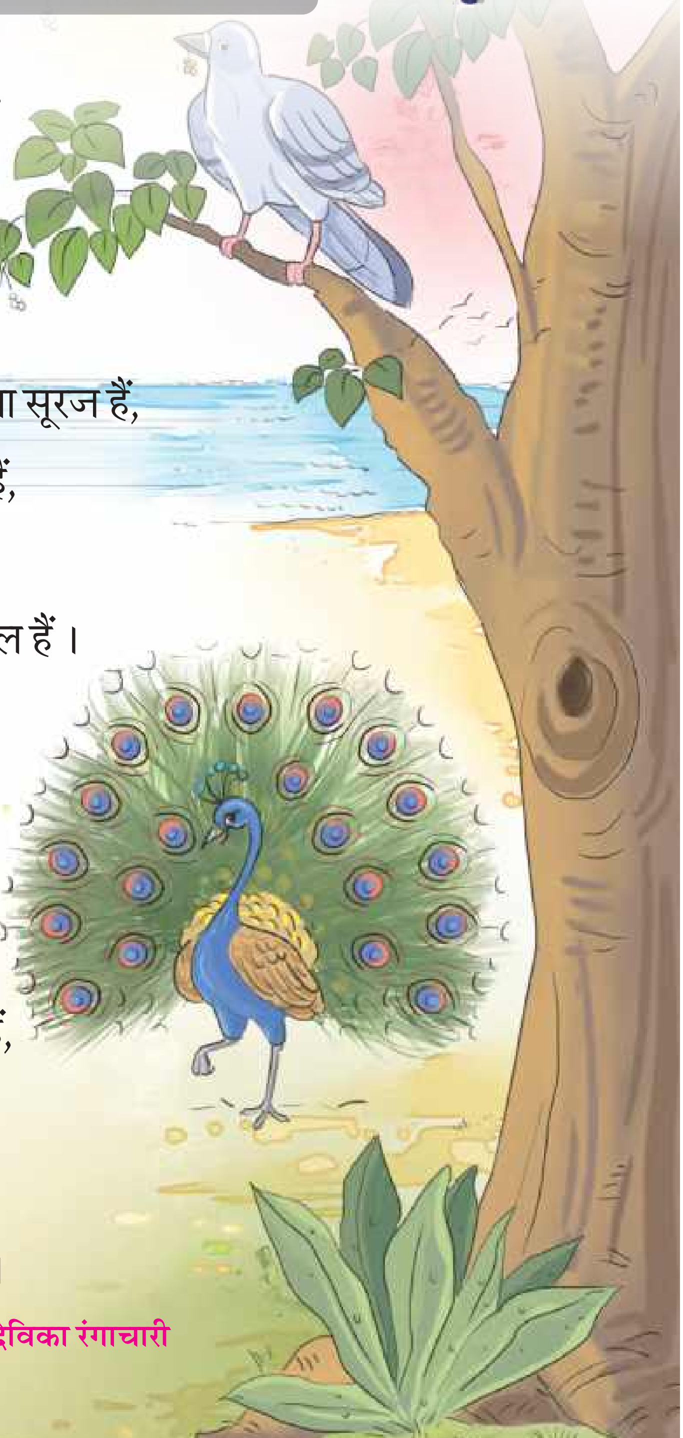

– देविका रंगाचारी

https://withteachers.in/

शब्द	अर्थ
चमचमाता	चमकपूर्ण, उज्वल
खुशबूदार	सुगंधित
फुंसी	त्वचा पर बने विकार के दाने ।

ढूँढे और लिखें

कविता में दिए गए रंगो के नाम ढूँढकर लिखें ।

कोष्ठक में से शब्द छाँटकर रिक्त स्थान भरें

...... आकाश । ...... टमाटर । .... कागज ।

.... केला । .... घास । .... गाय ।

(काली, हरी, पीला, सफेद, लाल, नीला)

शब्द – चयन

बेमेल शब्द को ढूँढकर लिखिए–

(i) चूहा, विल्ली, कुत्ता, मछली ....

(ii) दरवाजा, खिड़की, छत, पेड़ ....

(iii) चादर, घर, तकिया, गद्‌दी ....

(iv) साइकिल, कार, रास्ता, रेल ....

(v) दूध, पानी, लड्डू, छाछ ....

पंक्ति पूर्ण करें

.... के सुन्दर पंख हैं ।

जैसे .... सूरज है।

सब्जियों में .... है।

खुशबूदार फूल .... है।

https://withteachers.in/

पढ़ें कहानी

डरो मत

नरेंद्र को चंपक का पेड़ बहुत पसंद था। चंपक के पेड़ पर लटककर झूलना उन्हें और भी पसंद था। चंपक का यह पेड़ उनके मित्र के घर लगा था।

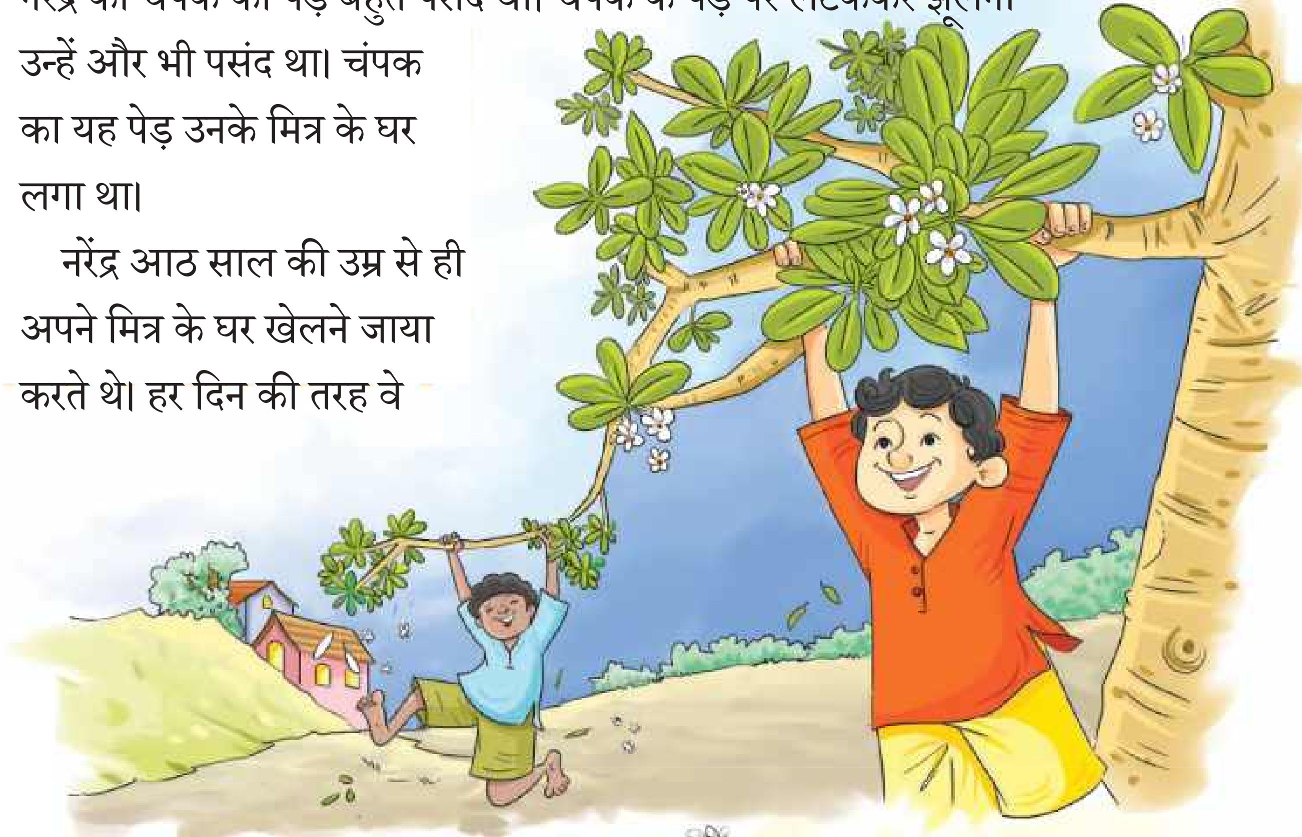

नरेंद्र आठ साल की उम्र से ही अपने मित्र के घर खेलने जाया करते थे। हर दिन की तरह वे चंपक के पेड़ पर झूल रहे थे। तभी उनके मित्र के दादाजी वहाँ आए और बोले – " नरेंद्र, पेड़ से उतरो। दुबारा इस पेड़ पर मत चढ़ना।"

"क्यों दादाजी?"

" इस पेड़ पर एक दैत्य रहता है।"

" उस दैत्य के बारे में कुछ बताइए न, दादाजी!"

दादाजी को डर था कि कहीं पेड़ की डाली टूट गई तो नरेंद्र पेड़ से गिर पड़ेंगे और उन्हें चोट लग जाएगी।

दादाजी ने बताया, " वह दैत्य बहुत डरावना है।"

दादाजी की बात सुनकर नरेंद्र को अचरज हुआ। वे बोले, "दादाजी दैत्य के बारे में और बताइए न!"

"वह पेड़ पर चढ़ने वालों की गर्दन तोड़ देता है।"

नरेंद्र दादाजी की सारी बातें ध्यान से सुन आगे बढ़ गए। यह देख दादाजी मुस्कुराए और वे भी आगे बढ़ गए। उन्हें लगा कि बालक दैत्य की बात सुनकर डर गया है। अब वह पेड़ पर नहीं चढ़ेगा।

https://withteachers.in/

लेकिन दादाजी जैसे ही कुछ आगे बढ़े, नरेंद्र फिर से पेड़ पर चढ़ गए और डाल पर झूलने लगे।

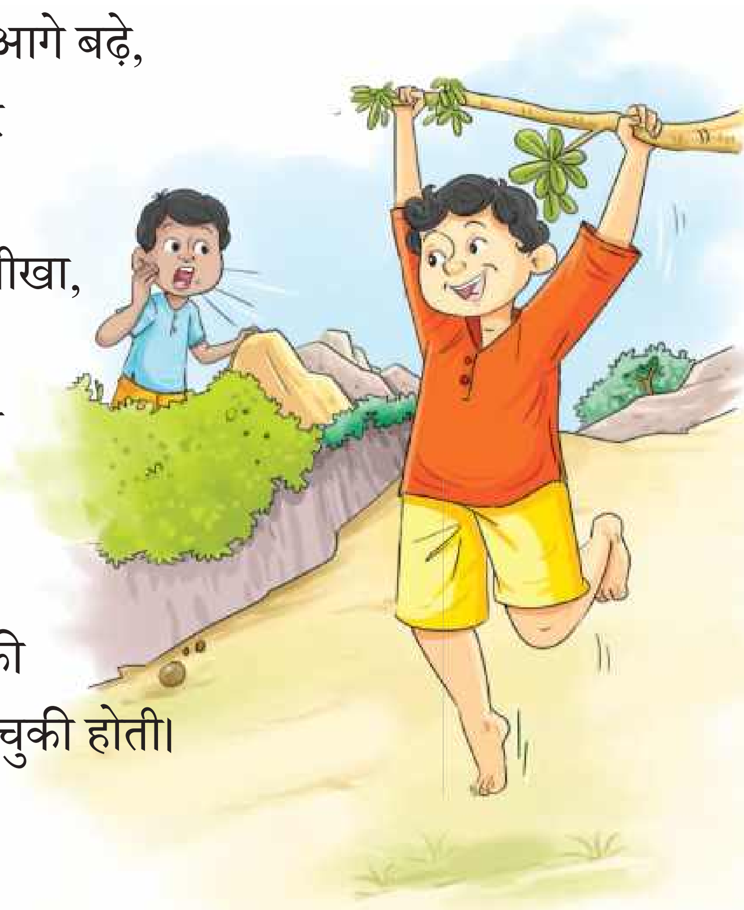

यह देख उनका मित्र जोर से चीखा, " नरेंद्र, तुमने दादाजी की बात नहीं सुनी? वह दैत्य तुम्हारी गर्दन तोड़ देगा।"

नरेंद्र ने हँसकर कहा, "तुम भी कितने भोले हो! अगर दादाजी की बात सच होती तो मेरी गर्दन टूट चुकी होती। लेकिन ऐसा हुआ क्या?"

"नहीं तो।"

"यही तो! किसी ने तुमसे कुछ कहा है, उस पर यकीन मत करो। खुद सोचो। इसलिए डरो मत!"

आगे चलकर यही बालक नरेंद्र स्वामी विवेकानंद के नाम से प्रतिद्ध डुए।

स्वामी विवेकानंद बचपन से ही निडर और समझदार थे।

—आस्तिक सिन्हा

शब्द	अर्थ
दैत्य	दानव, राक्षस
मुस्कुराहट	हँसी
चोट	आघात
चीखना	चीत्कार
यकीन	विश्वास

https://withteachers.in/

बातचीत के लिए

I.

१. तुम्हें कौन – सा पेड़ पसंद है ?

२. दैत्य के बारे में तुम क्या जानते हो ?

३. तुम बड़े होकर क्या बनोगे ?

पढें और लिखें

II. नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

१. चंपक का पेड़ कहाँ था ?

२. दादा ने पेड़ पर चढ़ने को क्यों मना किया ?

३. नरेंद्र नाथ का स्वभाव कैसा था ?

III. पहचानें और नाम लिखें

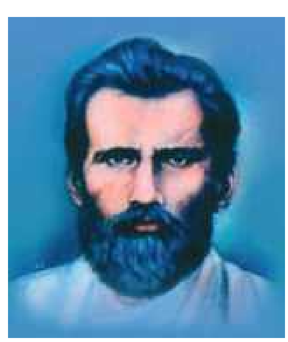

https://withteachers.in/

शब्दों का खेल

'क', 'र' और 'म' से छह शब्द बनाइए।

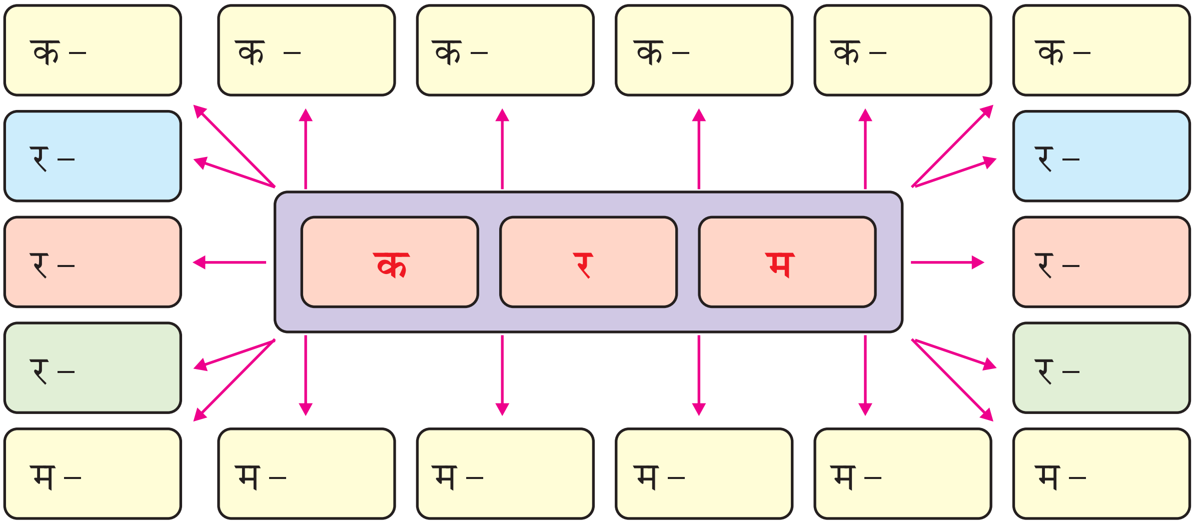

निम्नलिखित शब्दों को तीन – तीन बार लिखें।

नरेंद्र	दैत्य	प्रसिद्ध	मुस्कुराहट
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

वाक्य गठन करें।

निड़र, समझदार, प्रसिद्ध, अचरज, गर्दन

....

....

....

....

....

https://withteachers.in/

आनंदमयी कविता

जन्म-दिवस पर पेड़ लगाओ

जन्मदिवस पर पेड़ लगाओ,
हरा-भरा संसार बसाओ,
जन्मदिवस पर पेड़ लगाओ।

हरियाली से है खुशहाली,
सुंदरता मन हरने वाली।
पेड़ों और प्रकृति का नाता,
जैसे हो बच्चों की माता।

फूल और फल तुम पाओ,
जन्मदिवस पर पेड़ लगाओ।

– राजा चौरसिया

https://withteachers.in/

शब्द	अर्थ
हरा भरा संसार –	हरियाली से भरी हुई दुनिया
हरियाली –	शस्य श्यामला
खुशहाली–	आनंद से भरा
नाता–	संबंध

बातचीत के लिए :

1. आप अपना जन्मदिन कब मनाते हैं ?
2. आप अपने जन्मदिन पर क्या करते हैं ?
3. कविता में जन्मदिन पर क्या करने के लिए कहा गया है ?
4. क्या होता अगर –
   (i) सभी अपने जन्मदिवस पर पेड़ लगाते ?
   (ii) सभी जन्मदिवस पर स्वच्छता के कार्य करते ?

खोजें-जानें

पता कीजिए और लिखिए कि इनका जन्मदिन कब आता है–

1. दादा .... 2. दादी ....

3. नाना .... 4. नानी ....

5. पिता .... 6. माता ....

शब्दों का खेल

1. समान लयवाले शब्द खोजकर लिखिए –

(i) फल .... (ii) माता ....

(iii) फूल .... (iv) हरियाली ....

https://withteachers.in/

2. सही शब्द से वाक्य पूरे कीजिए –

(i) माली ने धरती में .... बोया । (बीज / चीज)

(ii) बड़े प्यार से उसमें .... डाला । (जल/ फल)

(iii) छोटा – सा, नन्हा–सा .... उग आया । (पौधा / सौदा)

3. पेड़ों के नाम खोजकर लिखिए :

नी	म	ली	आ	पी	....
बे	अ	शो	क	प	....
आ	ल	पी	प	ल	....
ली	र	बे	र	प	....
इ	म	ली	आ	म	....

4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाएँ :

दिवस, हरियाली, प्रकृति, संसार, खुशहाली ।

5. अपने घर के आस – पास किन्हीं चार पेड़ों के नाम लिखिए –

....

....

चित्रकारी

अपनी पसंद के किसी फूल का चित्र बनाकर उसमें रंग भरिए –

https://withteachers.in/

चित्र और बातचीत

गिलहरी की कहानी

https://withteachers.in/

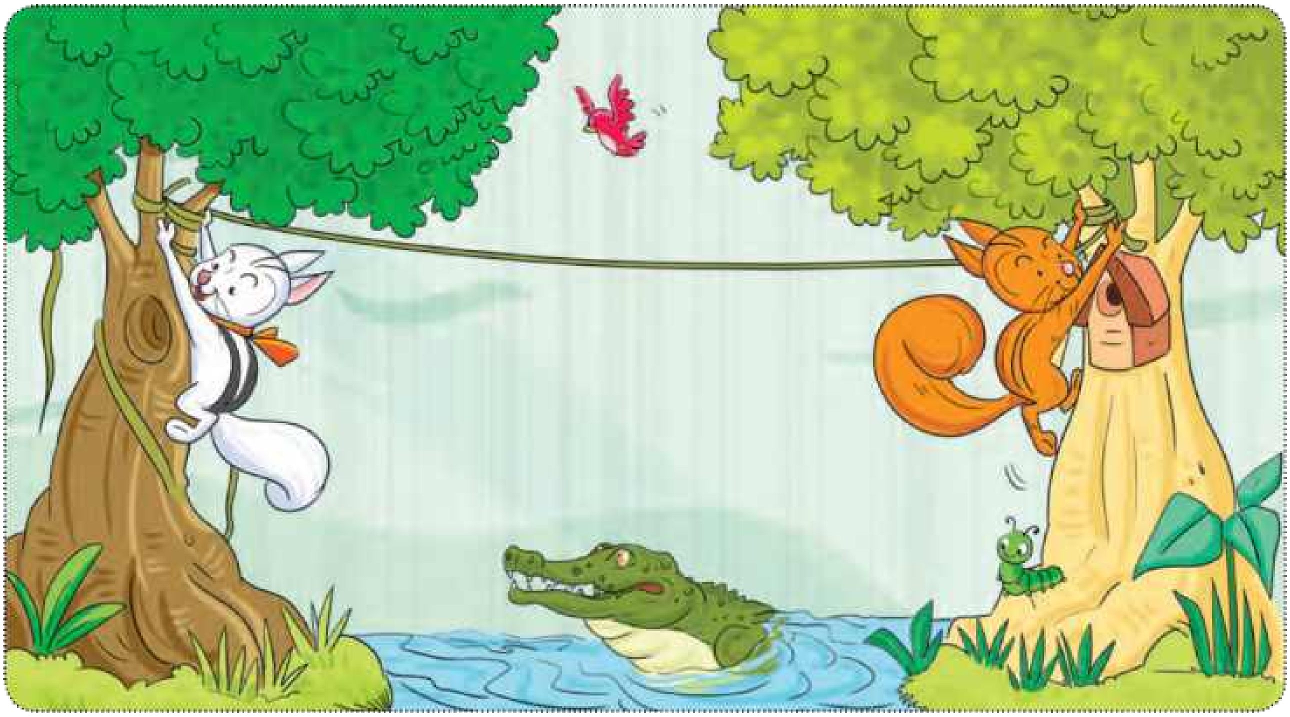

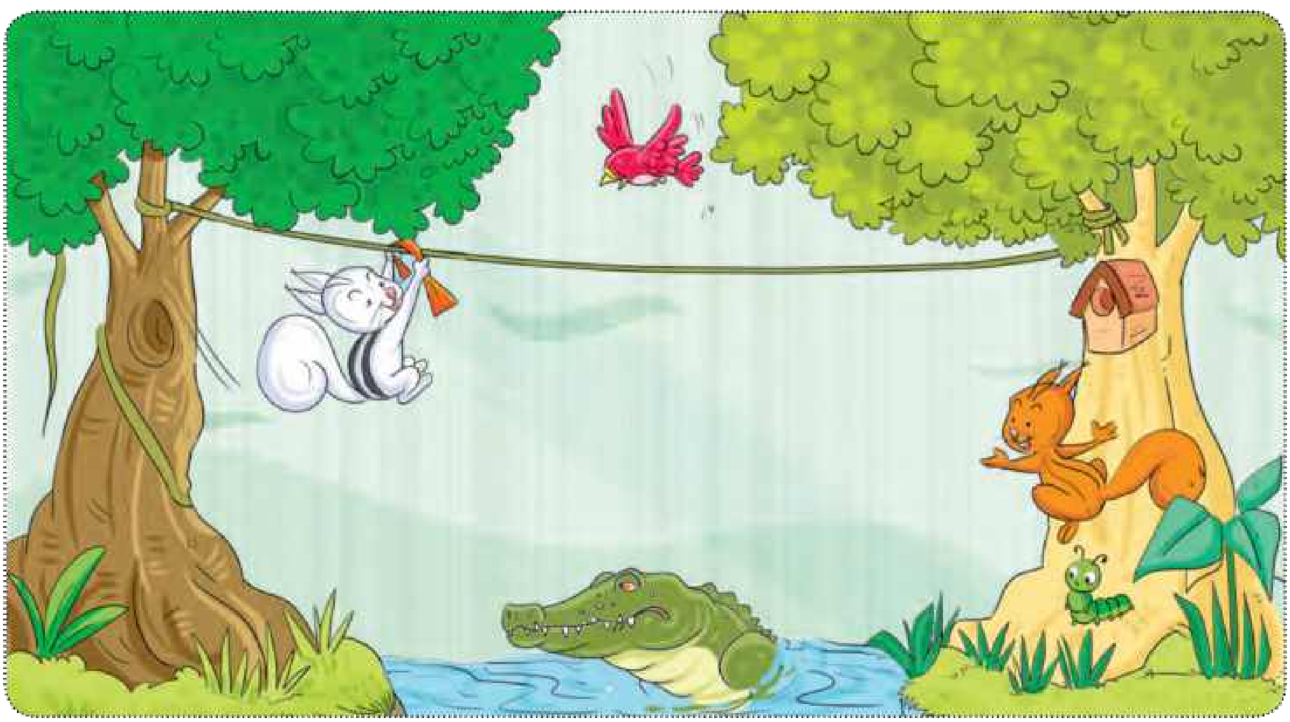

शिक्षण – संकेत : विद्यार्थियों से चित्र के आधार पर अपनी कहानी बनाने के लिए कहें । विद्यार्थियों को प्रेरित करें कि वे चित्र में दी गई चिड़िया और बिल्ली को भी कहानी में शामिल करें । विद्यार्थियों को अपनी भाषा में कहानी सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें ।

https://withteachers.in/

इकाई-4

गुब्बारे वाला

(सिर्फ पढ़ने के लिए)

गुब्बारेवाले गुब्बारेवाले
हमें खेलने गुब्बारे दो
रंग – बिरंगे हो गुब्बारे
अपने पैसे हमसे लो ।
खेल – खेल में खो देते
अपने बचपन का हर पल
सोच बिखर जाता इसमें
अपना बुद्धि बल ।
बच्चों को बोला गुब्बारेवाला
समय साथी है अपना
मौका छूटा विकास टूटा
दुःख जीवन भर झेलना ।
वक्त पर काम करना सीखें
अच्छी आदतें मन में धरें
लंबे सफ़र की उम्मीद रखें
देश के लिए जान कुर्बान करें ।

https://withteachers.in/

सुनें कहानी

तोसिया का सपना

एक दिन तोसिया ने सपना देखा। तोसिया बहुत सपने देखती है। वह उठकर सपनों के बारे में बात भी करती है। तोसिया को सपना आया कि दुनिया के सारे रंग उड़ गए हैं। कहीं कोई रंग नहीं बचा। उसने देखा कि सब कुछ सफ़ेद-सफ़ेद हो गया है।

तोसिया उठी और सपने को याद करने लगी। वह एकदम से घबरा गई। तोसिया सोचने लगी कि क्या सचमुच रंग गायब हो गए हैं।

https://withteachers.in/

तोसिया रसोई में गई। वहाँ बहुत सारे रंग-बिरंगे मसाले रखे हुए थे। लाल मिर्च, जीरा, हल्दी, धनिया, मेथी।

तोसिया उठकर बाहर बगीचे में गई। वहाँ रंग-बिरंगे फूल खिले हुए थे। गेंदा, चमेली, सदाबहार, गुलाब, सूरजमुखी। तोसिया ने देखा कि उसके कपड़ों में रंग हैं। मम्मी-पापा के कपड़ों में भी रंग हैं। घर में भी खूब सारे रंग दिख रहे थे।

https://withteachers.in/

तोसिया मम्मी के साथ बाज़ार चल पड़ी। वहाँ खूब सारी रंग-बिरंगी सब्ज़ियाँ थीं। गाजर, बैंगन, टमाटर, सेम, मटर। बाज़ार में पतंग की दुकान भी थी। दुकान में खूब सारी रंग-बिरंगी पतंगें थीं। काली, पीली, नीली, हरी, नारंगी। मम्मी चुन्नी की दुकान पर गईं। वहाँ खूब सारी रंग-बिरंगी चुन्नियाँ थीं। गुलाबी, बैंगनी, फिरोज़ी, आसमानी, भूरी। बाज़ार में गुब्बारेवाला खड़ा हुआ था। उसके पास खूब सारे रंग-बिरंगे गुब्बारे थे। नीले, पीले, हरे, लाल, गुलाबी। तोसिया ने खूब सारे रंग देखे। वह खुश हो गई कि रंग गायब नहीं हुए हैं। वह रंगों को गिनने लगी।

https://withteachers.in/

तोसिया घर आकर दोपहर को सो गई। उसने उठकर देखा कि नानी की सहेलियाँ आई हुई हैं। उन सबके बाल सफ़ेद-सफ़ेद हैं। तोसिया को एक बात याद आई। वह रात को नानी के साथ सोई थी। इसलिए सपने में सब सफ़ेद-सफ़ेद दिखा होगा। तोसिया नानी के बालों को गौर से देखने लगी। वह नानी के बालों को छू-छूकर देखने लगी। तोसिया सोचने लगी कि नानी के बाल सफ़ेद क्यों हैं। उसने नानी से

पूछा कि उनके बालों का रंग कहाँ गया। नानी बोलीं कि पहले उनके बाल भी काले थे। फिर उनके बालों का रंग तोसिया के बालों में चला आया।

—बरखा क्रमिक पुस्तकमाला, एन.सी.ई.आर.टी.

https://withteachers.in/

बातचीत के लिए

1. क्या आप कभी कोई सपना देखकर खुशी या ड़र से उठे हैं ?
2. अपने सपनों के बारे में बातचीत कीजिए ।
3. इस कहानी में कौन – कौन से रंग हैं ?
4. संसार में रंग ना हों तो कैसा लगेगा ?

खोजें - जानें

कहानी का क्रम खोजिए, फिर उसे पढ़कर सुनाइए –

( ) तोसिया ने नानी से उनके सफेद बालों के बारे में पूछा ।

( ) तोसिया बाजार गई जहाँ रंगीन पतंगें, चुन्नियाँ और गुब्बारे थे ।

( ) तोसिया बगीचे में गई जहाँ तरह – तरह के रंग – बिरंगे फूल थे ।

( ) तोसिया ने सपना देखा कि सब कुछ सफेद हो गया है।

( ) तोसिया ने रसोई में रंगीन मसाले देखे ।

( ) तोसिया घर आ कर दोपहर को सो गई ।

शब्दों का खेल :

1. रंगों में छुपे शब्द खोजिए और लिखिए –

गुलाबी में गुलाब

आसमानी में ....

बैंगनी में ....

सिंदूरी में ....

2. वाक्य बनाएँ :

सचमुच, रंग – बिरंगे, गायब, दुकान, गुब्बार ।

https://withteachers.in/

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

तोसिया ने रसोई में रंग ही रंग देखे। मिर्च .... रंग की । काली मिर्च .... रंग की । हल्दी .... रंग की । सरसों .... रंग की । धनिया पत्ती .... रंग की और मेथीदाना .... रंग का ।

आइए कुछ बनाएँ

1. नीचे दिए गए चित्रों को देखकर सुंदर – सी कंदील बनाइए –

(हमें चाहिए : रंगीन पेपर, कैंची, गोंद)

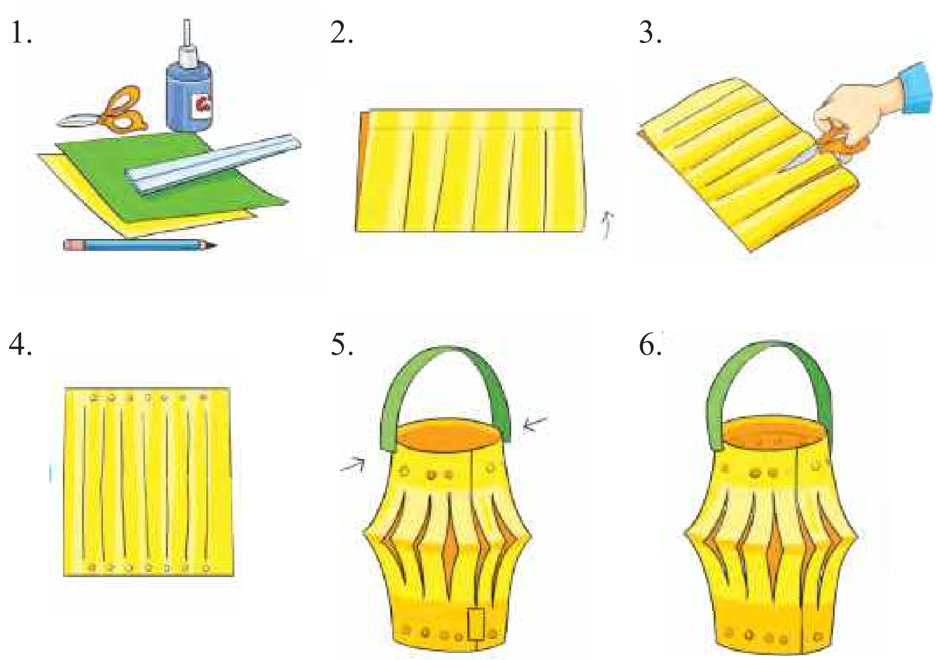

2. रिक्त स्थानों पर सही अक्षर लिखकर शब्द बनाएँ :

आ .... मा .... ।

स .... ना ।

सदा .... हा .... ।

स .... ली ।

दो .... र ।

https://withteachers.in/

आनंदमयी कविता

किसान

नहीं हुआ है अभी सवेरा,
पूरब की लाली पहचान,
चिड़ियों के जगने से पहले,
खाट छोड़ उठ गया किसान।

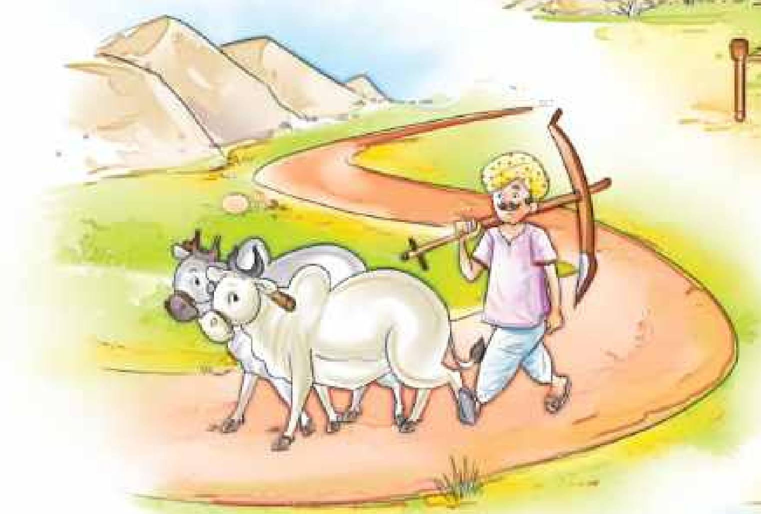

खिला-पिलाकर बैलों को ले,
करने चला खेत पर काम,
नहीं कभी त्योहार न छुट्टी,
उसको नहीं कभी आराम।

गरम-गरम लू चलती सन-सन,
धरती जलती तवे समान,
तब भी करता काम खेत पर,
बिना किए आराम किसान।

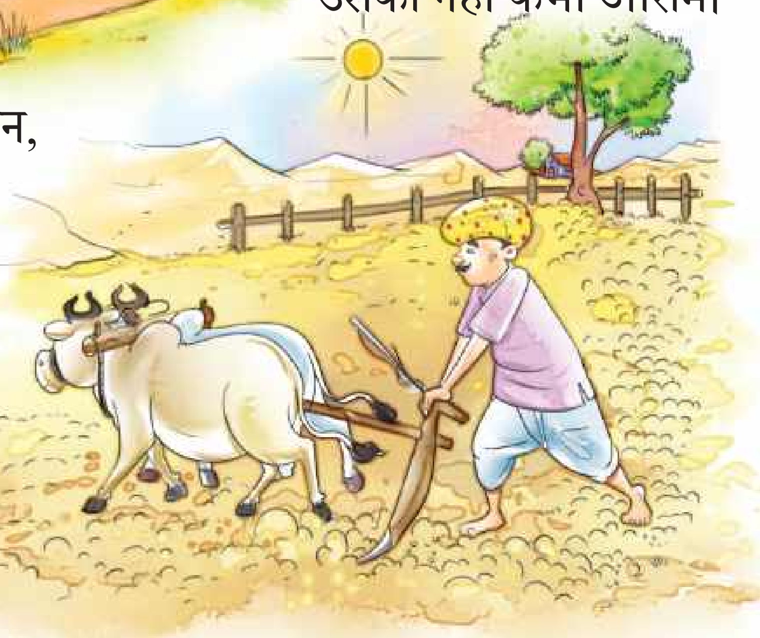

https://withteachers.in/

बादल गरज रहे गड़-गड़-गड़,
बिजली चमक रही चम-चम,
मूसलाधार बरसता पानी,
ज़रा न रुकता लेता दम।

हाथ-पाँव ठिठुरे जाते हैं,
घर से बाहर निकले कौन,
फिर भी आग जलाकर, खेतों की
रखवाली करता वह मौन।

है किसान को चैन कहाँ,
वह करता रहता हरदम काम,
सोचा नहीं कभी भी उसने,
घर पर रह करना आराम।

—सत्यनारायण लाल

https://withteachers.in/

शब्द	अर्थ
सवेरा	सुबह, प्रात:काल
त्योहार	पर्व, उत्सव
लू	गरम हवा
मुसलाधर	लगातार भारी वर्षा
ठिठुरना	ठंड़ से काँपना
रखवाली	देखभाल करना
चैन	शांति
मौन	चुपचाप

बातचीत के लिए

1. क्या आप के परिवार में कोई किसान हैं ? वे दिन में क्या – क्या काम करते हैं ?
2. क्या आप कभी खेत में गए हैं ? वहाँ क्या – क्या दिखाई देते हैं ?
3. आप को कौन – सा काम करना सबसे अच्छा लगता है ?
4. आपको लू चलने का पता कैसे लगता है ?
5. चिड़ियों को भगाने के लिए खेत में क्या लगाया जाता है ? अपनी भाषा में उसका नाम बताइए ।
6. आपको किसान का सबसे अच्छा कार्य कौन सा पसंद है ?

सोचें और लिखें

1. खेत में उगने वाली कुछ अनाजों के नाम लिखिए ।

(i) .... (iv) ....

(ii) .... (v) ....

(iii) .... (vi) ....

2. ठंड से बचने के लिए आप किन – किन वस्तुओं का उपयोग करते हैं ? उनके नाम लिखिए ।

....

....

....

https://withteachers.in/

शब्दों का खेल

इस कविता में सन–सन–सन, गड़–गड़–गड़ और चम्–चम्–चम् जैसे शब्द आए हैं । ऐसे ही अपनी पसंद के कुछ और शब्द बनाइए और कविता पूरी कीजिए –

हवा चलती सन–सन–सन
पत्ते उड़ते .... ।
बादल गरजते गड़–गड़ – गड़
बिजली चमकती चम–चम्–चम् ।

बारिश होती .... ।
ओले बरसते .... ।
सब शांत हो जाता .... ।
फिर सूरज चमकता .... ।

आइए, कुछ बनाएँ

यह 'बाघ बचाओ' का चित्र है । बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा कीजिए और एक संदेश लिखिए ।

संदेश ....

....

https://withteachers.in/

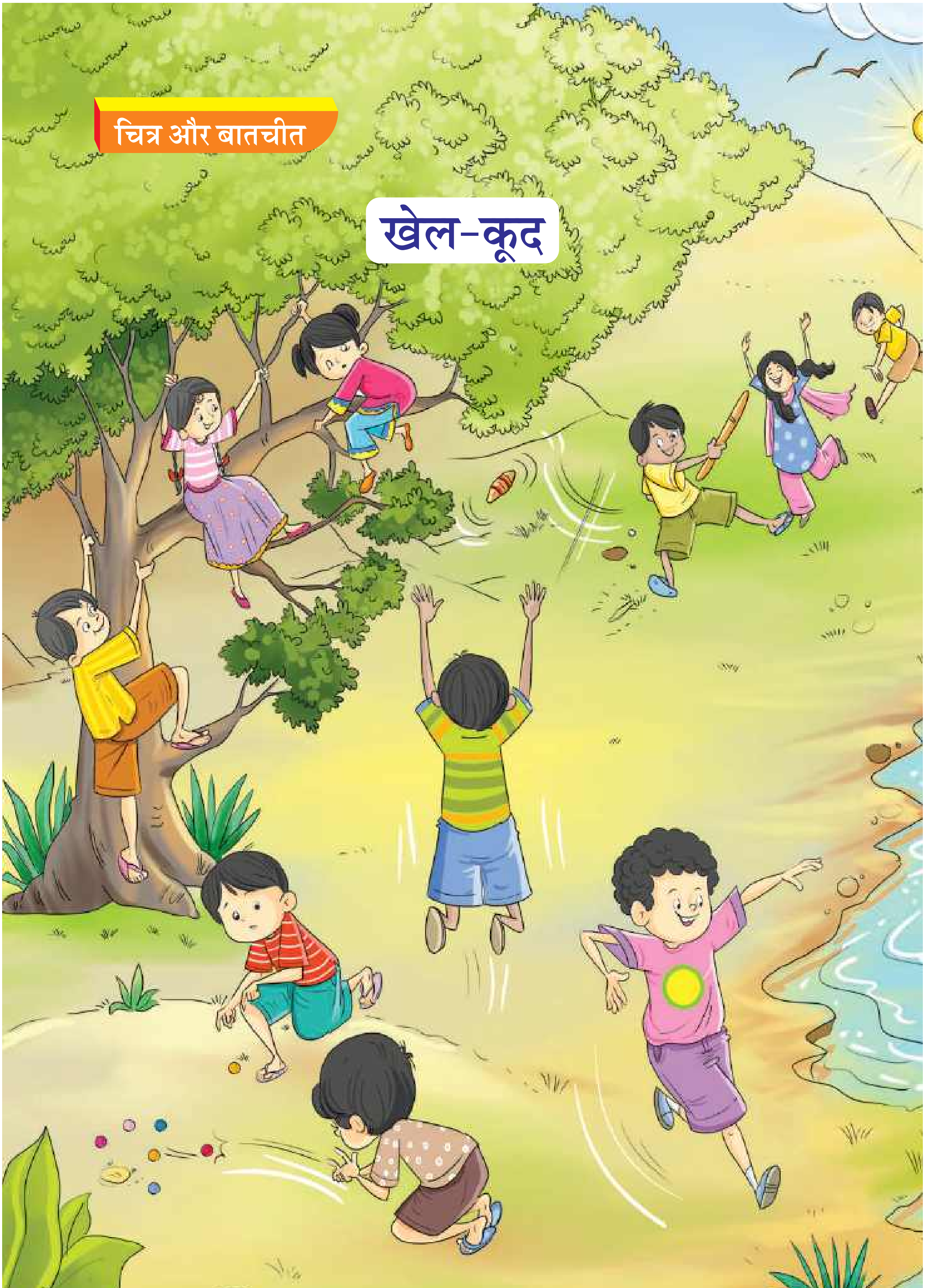
चित्र और बातचीत
खेल-कूद

https://withteachers.in/

बातचीत के लिए

1. चित्र में कितने बच्चे दिख रहे हैं ?
2. इस चित्र में बच्चे कौन – कौन से खेल खेलते हुए दिखाई दे रहे हैं ?
3. इन खेलों के अलावा और कौन कौन से खेल आपने खेले हैं ? उनके नाम और खेलने का तरीका बताइए ।

शब्दों का खेल

चित्र में बहुत से खेल दिखाई दे रहे हैं । कुछ खेलों को अकेले खेला जाता है, कुछ को दो लोगों के जोड़े में और कुछ को खेलने के लिए बड़े समूह की आवश्यकता होती है।

1. चित्र को देखकर बताइए कि कौन–कौन से खेल खेलने के लिए कितने लोगों की आवश्यकता होती है –

	खेल	खेलने वालों की संख्या
अकेले खेले जाने वाले खेल	....	....
दो के जोड़े में खेले जाने वाले खेल	....	....
समूह में खेले जाने वाले खेल	....	....

2. आप मित्रों के साथ कौन – सा खेल खेलना पसंद करते हैं, उसी खेल को कैसे खेलते हैं ? लिखिए –

....

....

....

https://withteachers.in/

याद रखें

सप्ताह, महीने और साल

सप्ताह में सात दिन होते हैं । जो छूट गया है, उसे लिखिए ।

साल में बारह महीने होते हैं । सब एक के बाद एक क्रम में आते हैं । १, २, ३ आदि लिखकर पूरा कीजिए ।

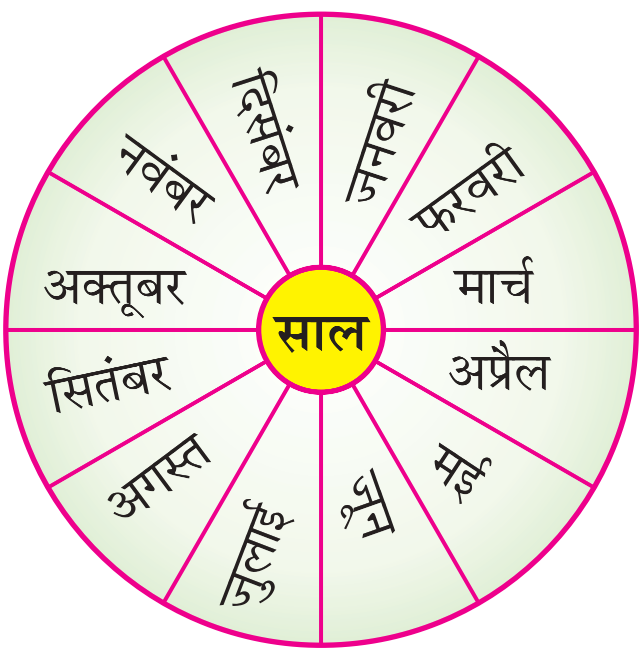

सप्ताह : सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरूवार/ वृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार / इतवार ।

बारह महीने : अंग्रेजी में : जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितंबर, अक्तूबर, नवंबर, दिसंबर ।

हिंदी में : चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ, फालगुन ।

https://withteachers.in/

शाक-सब्जी

चित्र पहचानें और नाम लिखें :

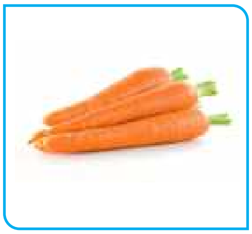

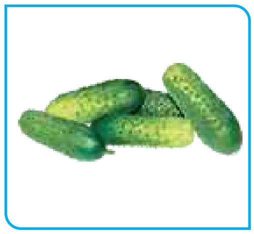

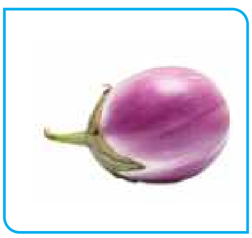

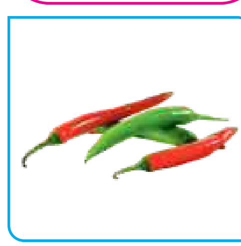
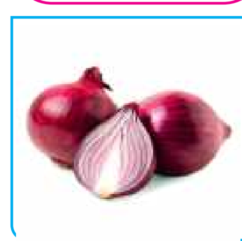

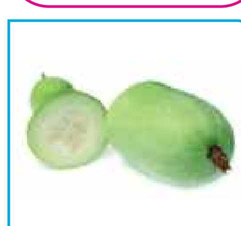
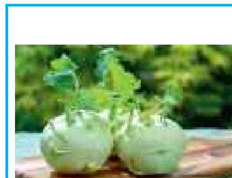

https://withteachers.in/

फल

चित्र पहचानें और नाम लिखें :

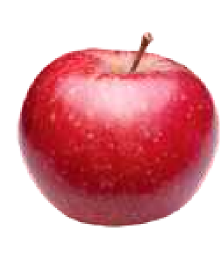

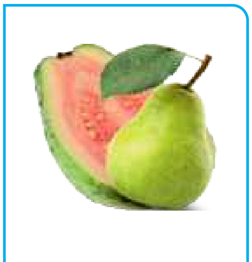

https://withteachers.in/

फूल

चित्र पहचानें और नाम लिखें :

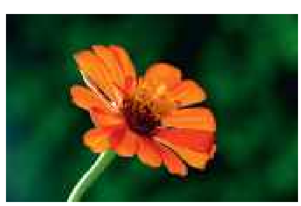
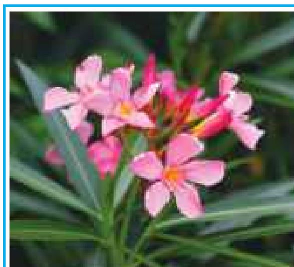
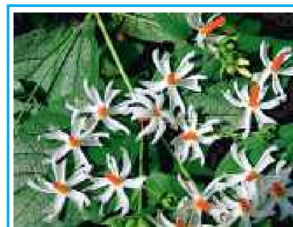

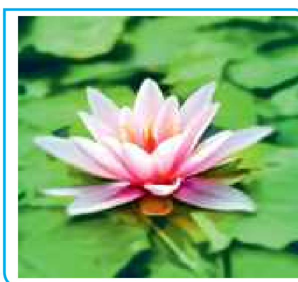

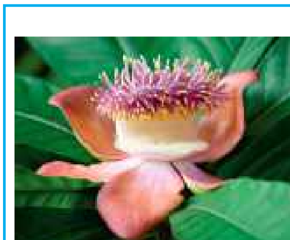
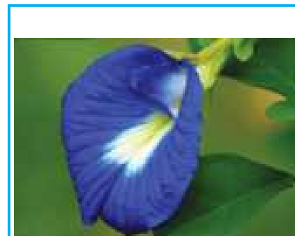

https://withteachers.in/

पशु

चित्र पहचानें और नाम लिखें :

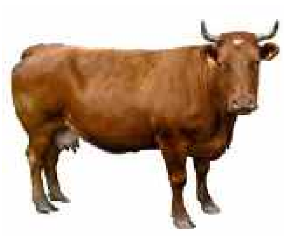

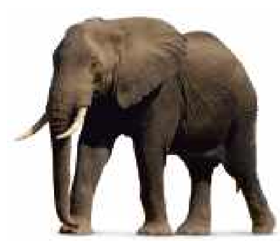

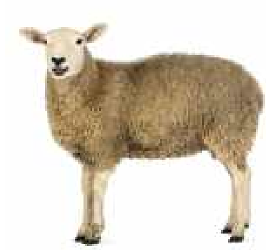

https://withteachers.in/

पक्षी

चित्र पहचानें और नाम लिखें :

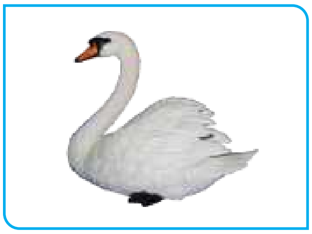

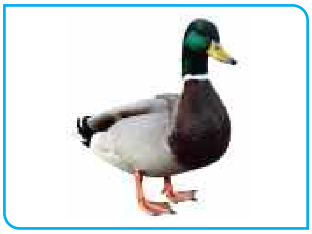

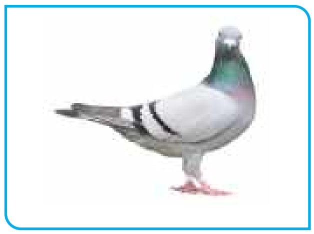

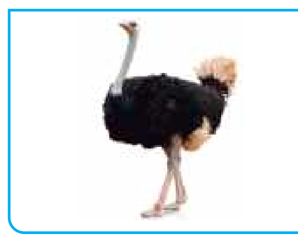

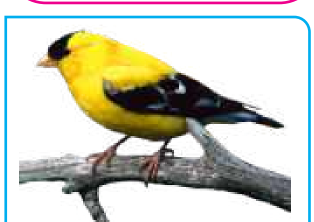

उत्सव

चित्र पहचानें और उत्सवों का नाम लिखें :

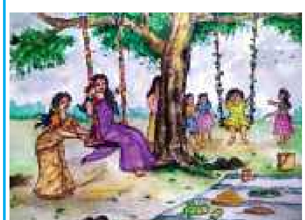

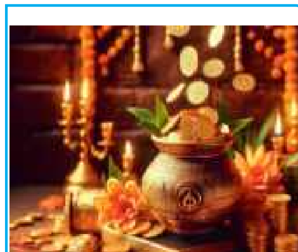

https://withteachers.in/

रंग भरिए :

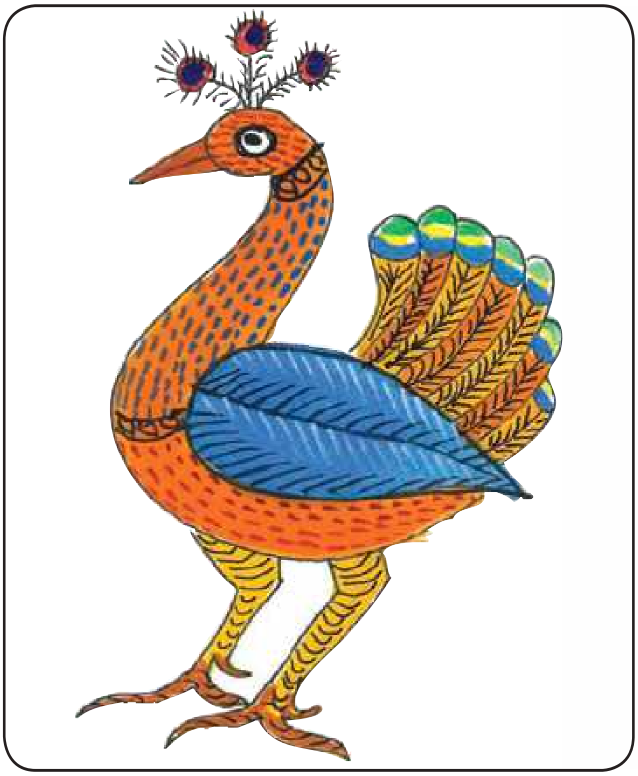

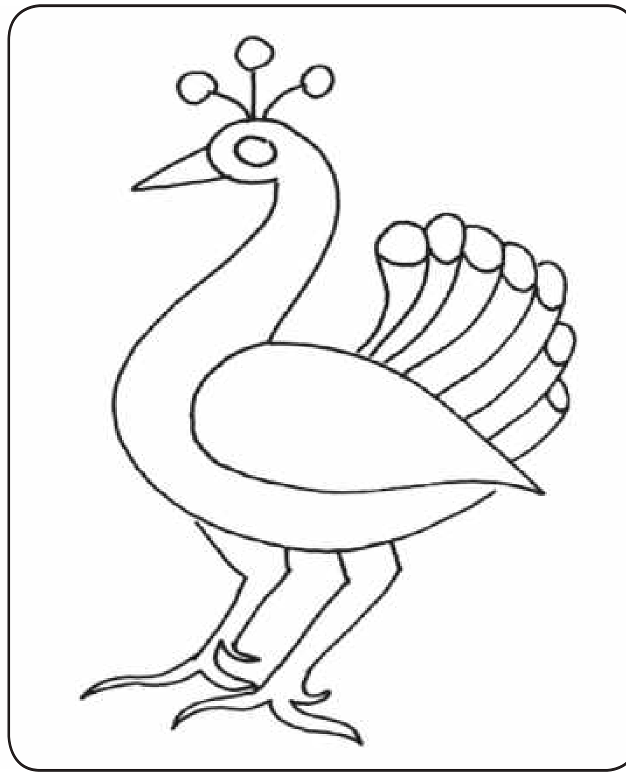

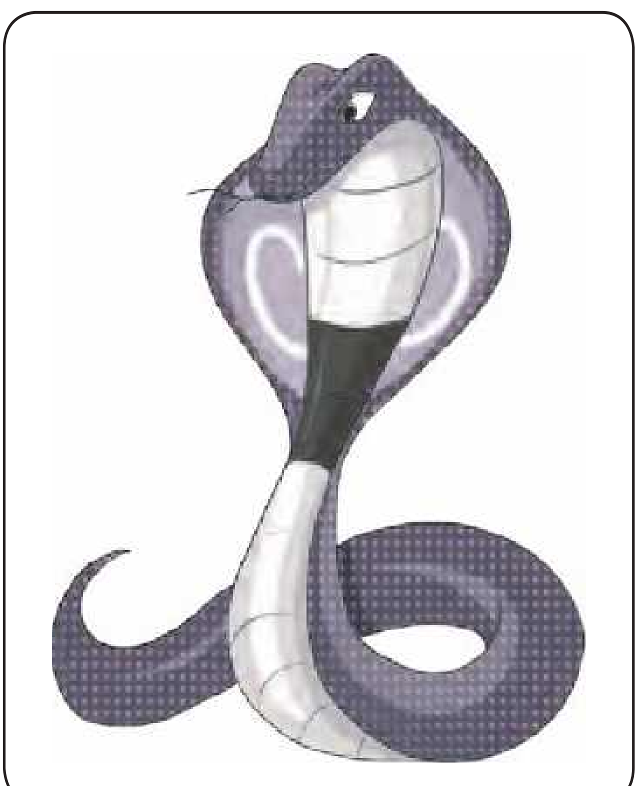

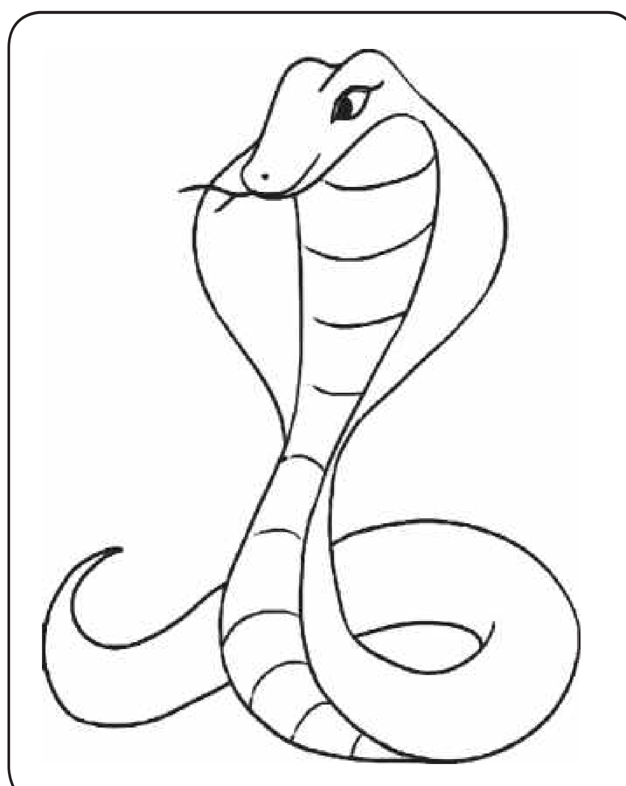

https://withteachers.in/

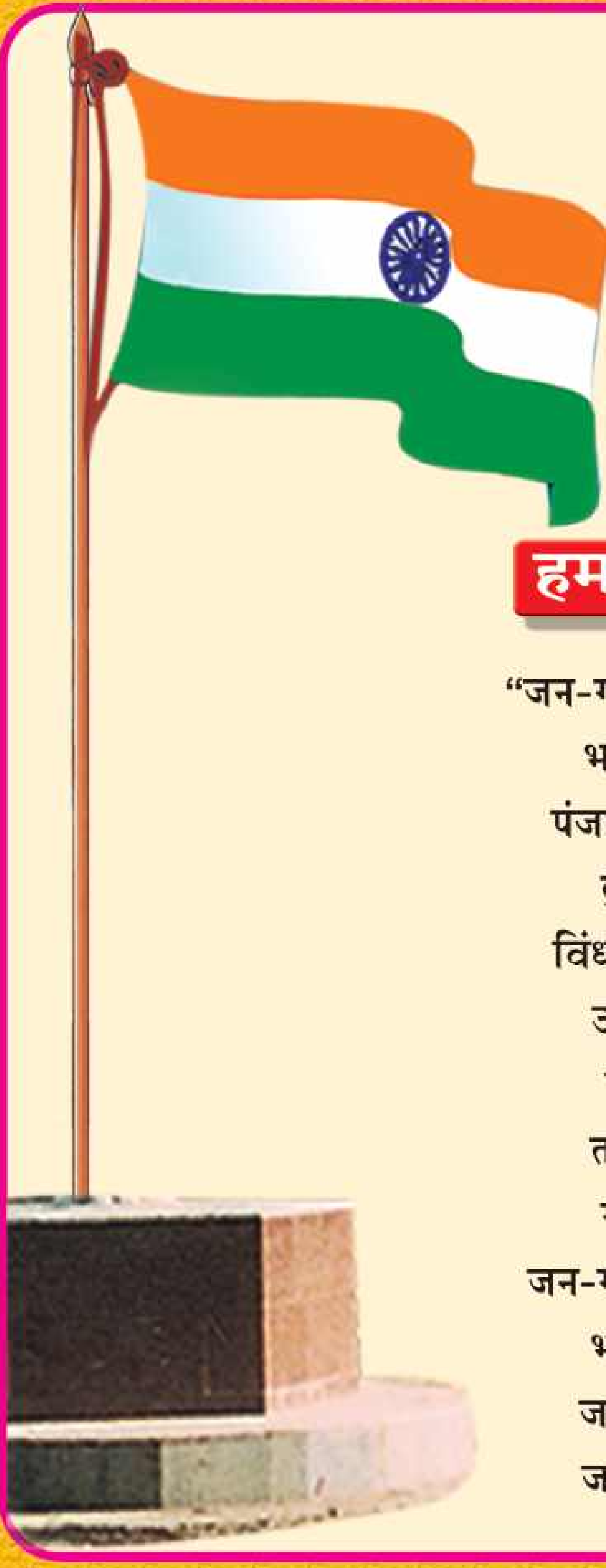

हमारा राष्ट्र गान

"जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब सिंधु गुजरात मराठा
द्राविड़ उत्कल बंग।
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशीष माँगे
गाहे तव जय गाथा।
जन-गण मंगल दायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।"

– रवींद्रनाथ ठाकुर

https://withteachers.in/

प्रतिज्ञा

भारत हमारा देश है । हम सब भारतवासी भाई - बहन हैं । हमें अपना देश प्राणों से भी प्यारा है । इसकी समृद्धि और विविध संस्कृति पर हमें गर्व है । हम इसके सुयोग्य अधिकारी बनने का सदा प्रयत्न करते रहेंगे । हम अपने माता- पिता, गुरुजनों एवं सभी बड़ों का सदा सम्मान करेंगे और सब के साथ विनम्रता का व्यवहार करेंगे । हम अपने देश और देशवासियों के प्रति वफ़ादार रहने की प्रतिज्ञा करते हैं। उनके कल्याण और समृद्धि में ही हमारा सुख निहित है ।

-जय हिंद

https://withteachers.in/

तुम्हारे लिए

https://withteachers.in/